हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 12, अंक: 27, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 01 नवंबर से 15 नवंबर 2021 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

सराहनीय प्रयासः अनेकता में एकता की मिसाल बनी नॉर्थ जिला दिल्ली की हैरिटेज वॉक

-आजादी के 75 अमृत महोत्सव के तहत नॉर्थ जिला पुलिस ने किया हैरिटेज वॉक फॉर यूनिटी का आयोजन-स्पेशल सीपी लॉ एडं आर्डर के नेतृत्व में धर्म गुरूओं व आम आदमी के साथ-साथ अधिकारियों ने प्रभात फेरी में दिया एकता का संदेश

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नॉर्थ जिला/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- यूं ही भारत को अनेकता में एकता के लिए नही जाना जाता है बल्कि भारतीय संस्कृति में ही ऐसा जादू छिपा है कि लोग इसकी तरफ खिचें चले आते हैं। सदियों से भारत अनेकता में एकता की मिसाल रहा है। और हो भी क्यूं नही यहां हर धर्म व नागरिक को उसके सबसे ज्यादा अधिकार प्राप्त है तभी हम अनेकता के रंग में रंगकर भी एक दिखाई देते है। नॉर्थ जिला पुलिस ने भी लेकिन राष्ट्रीय एकता दिवस पर कुछ ऐसी ही मिसाल पेश की है जो हमेशा लोगों को याद रहेगी। दरअसल आजादी के 75 अमृत महोत्सव के तहत नॉर्थ जिला पुलिस ने राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता का संदेश देने के लिए स्पेशल सीपी लॉ एडं आर्डर दीपेंद्र पाठक के नेतृत्व में प्रभात फेरी का आयोजन किया। इस प्रभात फेरी में सभी धर्मो के गुरूओं, छोटे बच्चो, नौजवानों, बुजुर्गों व महिलाओं के साथ-साथ जिला डीसीपी सागर सिंह कलसी व उनकी पूरी टीम ने भी भाग लिया। क्षेत्र वासियों ने पुलिस की इस पहल को एक सराहनीय प्रयास बताया और इस प्रभात फेरी की प्रशंसा की।

ह्लराष्ट्रीय एकता दिवस-2021ह्ल के अवसर पर ह्लआजादी का अमृत महोत्सवह्ल मनाते हुए, विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 75 प्रतिभागियों के साथ-साथ उत्तर जिले के सभी पुलिस स्टेशनों के सम्मानित व्यक्तियों, एमडब्ल्यूए व आरडब्ल्यूए सदस्यों, बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों आदि सहित बड़ी संख्या में लोगों ने दिल्ली पुलिस के उत्तर जिले के पीएस कोतवाली क्षेत्र में आयोजित प्रभात फेरी के एक कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर व भारत माता की जय तथा वंदे मातरम के नारों के साथ चांदनी चौक रोड पर ह्लप्रभात फेरीह्ल निकाली। सुबह-सुबह भारत माता की जय व वंदे मातरम के साथ लोगों की रैली को देखकर स्थानीय लोग भी सड़कों पर आ गये और उन्होने रैली में शामिल लोगों का फूल बरसाकर स्वागत किया। साथ ही इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए इस तरह के कार्यक्रम लगातार कराये जाने की भी मांग की। इस प्रभात फेरी का समापन लालकिला मैदान में किया गया। जहां स्पेशल सीपी श्री दीपेन्द्र पाठक ने सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर श्री सागर सिंह कलसी, डीसीपी उत्तरी जिला, सुश्री अनीता रॉय, अपर डीसीपी उत्तरी जिला, श्री चंद्र कुमार, अपर डीसीपी उत्तरी जिला, श्री अक्षत कौशल, एसीपी कोतवाली, सुश्री प्रज्ञा आनंद, एसीपी सदर बाजार, कार्यक्रम में उत्तर जिले के अन्य पुलिस कर्मियों के साथ एसीपी सराय रोहिल्ला राकेश कुमार त्यागी ने भाग लिया।

गन प्वाइंट पर लूटते थे गाड़ियां, मुठभेड़ के बाद चढ़े पुलिस के हत्थे

एएटीएस द्वारका ने रिसिवर समेत 4 लुटेरे पकड़े, एक आरोपी को पैर में लगी गोली

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका जिला पुलिस वर्चस्व अभियान के तहत अपराधियों की धरपकड़ कर रही है। पिछले एक महीने में स्पेशल स्टाफ टीम, जेल बेल टीम, एएटीएस ने ऐसे अनेकों अपराधियों को पकड़ा है जो जिला में वारदातों को अंजाम दे रहे थे। ऐसे ही एक मामले में द्वारका एएटीएस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए गन प्वाइंट पर लोगों की गाड़ियां लूटने वाले एक गिरोह को मुठभेड़ के बाद पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। एएटीएस ने चार आरोपियों को पकड़ा है जिसमें एक रिसिवर भी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मामले से जुड़े दूसरे आरोपियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने आरोपियों से एक देसी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, दो स्कूटी, एक मोटरसाइकिल व दो लूटे गये मोबाइल फोन बरामद किये हैं।

द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि ताज विवांता होटल सैक्टर-21 से रात साढे 10 बजे के करीब एक पीसीआर काल आई थी जिसमें शिकायतकर्ता नजाम खान पुत्र सलीम अहमद ने बताया कि दो युवक रिवालर लगाकर उससे मोबाइल फोन व पैसे छीन कर फरार हो गये है। इस शिकायत पर एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह ने तुरंत एएटीएस के इंचार्ज कमलेश कुमार के नेतृत्व में टीम को आरोपियों को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी। टीम ने मामले की जानकारी लेकर आरोपियों को पकड़ने की कार्यवाही आरंभ की। टीम ने काफी जांच पड़ताल के बाद कई जगहों पर अपना जाल बिछाया लेकिन आरोपी हत्थे नही चढ़े। अचानक पुलिस को सूचना मिली की दो आरोपी सफेद रंग की स्कूटी पर वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहे है। तो एएटीएस ने राधा स्वामी सत्संग सैक्टर-23 के पास जाल बिछाया। तभी एक

नजफगढ़ में पुलिस के बड़े-बड़े दावे फेल एक बार फिर बदमाशों ने थाने से मात्र 100 मीटर की दूरी पर चलाई गोली

-नजफगढ़ में मित्तल स्वीट्स पर बदमाशों ने 5 राउंड चलाई गोली, दुकान के अंदर लगी गोली -रंगदारी की संभावना, अपराधी बेखौफ, पुलिस अभी कुछ कहने को तैयार नही,- पुलिस के आला अधिकारी मौके पर, जांच शुरू, आरोपियों का कोई अता-पता नही -करीब डेढ़ साल पहले भी अग्रवाल स्वीट्स पर इसी तरह बदमाशों ने चलाई थी गोली

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ में द्वारका जिला पुलिस के व्यापारियों व आम आदमियों को अपराधियों से सुरक्षा देने के बड़े-बड़े दावे एक बार फिर फेल हो गये हैं। नजफगढ़ में अपराधी पूरी तरह से पुलिस से बेखौफ नजर आ रहे है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नजफगढ़ थाने से मात्र 100 मीटर की दूरी पर भीषण जाम के बीच व भरे चौराहे पर एक बार फिर बदमाशों ने गोली चलाकर सभी को सकते में डाल दिया है। इस बार बदमाशों ने मित्तल स्वीट्स को निशाना बनाया है। हालांकि त्यौहारों के मौके पर बदमाशों द्वारा की गई इस फायरिंग को रंगदारी का मामला बताया जा रहा है लेकिन पुलिस अभी कुछ भी बताने को तैयार नही है। वारदात के बाद बदमाश मौके से पैदल भाग कर फरार हो गये। जबकि उस समय जाम इतना भीषण था कि पुलिस को भी मौके पर पंहुचने के लिए पैदल आना पड़ा।

गौरतलब है कि रविवार को शाम साढे 6 बजे के करीब दो बदमाशों ने मित्तल स्वीट्स के मालिक को डराने के लिए दूकान के अंदर 5 राउंड गोली चलाई हालांकि पुलिस को मौके से दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। दूकान के एक कर्मचारी ने बताया कि दोनो युवक पहले ड्राई फ्रूट्स का

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

आओ करें, सद्बुद्धि प्रदान करने वाले लक्ष्मी नारायण का स्वागत इस दीपावली

वर्ष: 12, अंक: 27, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 01 नवंबर से 15 नवंबर 2021 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

द्वारका पुलिस का वर्चस्व अभियान पड़ रहा अपराधियों पर भारी

रोशनी से प्रकाशित दीपावली का महापर्व आपके जीवन में सुख समृद्धि और आशीर्वाद लेकर आए !

शुभ दीपावली

आप सभी देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनायें !

डॉ. सन्देश यादव

महासचिव– भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन

सदस्य– रेल मंत्रालय, भारत सरकार

नये सीमा कानून से पड़ोसियों के खिलाफ साजिश रच रहा चीन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/-
चीन ने पहली बार सीमा से जुड़े कानून को मंजूरी दी है। इस नए कानून के तहत अब चीन सरकार ने 14 देशों से जुड़ी अपनी जमीनी सीमा को लेकर कुछ नियम निर्धारित किए हैं। इस कानून को ह्लद लैंड बॉर्डर्स लॉह्ल कहा गया है और यह 1 जनवरी 2022 से लागू हो जाएगा। यानी इस तारीख के बाद से चीन अपने तय कानून के तहत ही सीमा से जुड़े मुद्दों पर समीक्षा और कार्रवाई करेगा। खास बात यह है कि चीन अब तक अपने सीमा से जुड़े मुद्दों पर केंद्रीय शासन और सेना के नेतृत्व के आधार पर फैसले लेता था। यानी ये कानून सिर्फ उन फैसलों को आधिकारिक रूप देने का एक तरीका है। हालांकि, कानून के कुछ प्रावधान ऐसे हैं, जिन्हें सिर्फ भारत को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। ऐसे में अगले साल भारत और चीन के बीच तनाव की स्थिति में कैसे बदलाव आ सकते हैं इसे लेकर काफी संशय की स्थिति पैदा हो गई है।

इस बीच अमर उजाला आपको बता रहा है कि चीन के नए कानून में ऐसे क्या प्रावधान हैं, जिन्हें लेकर अगले साल उसके साथ सीमा साझा करने वाले देशों से विवाद पैदा हो सकते हैं। चीन कुल मिलाकर 16 देशों से जमीनी और समुद्री सीमा साझा करता है। इनमें 14 देश उससे जमीनी सीमा से जुड़े हैं।

किन देशों से जुड़ी चीन की सीमा?

समुद्री सीमा
1. ताइवान
2. फिलीपींस
3. इंडोनेशिया
4. वियतनाम
5. मलेशिया
6. जापान
7. दक्षिण कोरिया
8. उत्तर कोरिया

9. सिंगापुर
10. ब्रुनेई

जमीनी सीमा
1. भारत
2. नेपाल
3. भूटान
4. वियतनाम
5. मंगोलिया
6. म्यांमार
7. रूस
8. कजाखस्तान
9. किर्गीस्तान
10. ताजिकिस्तान
11. उत्तर कोरिया
12. अफगानिस्तान
13. पाकिस्तान (पीओके का हिस्सा)
14. लाओस

किन देशों से हैं चीन के विवाद?
चौंकाने वाली बात यह है कि अपने इतने पड़ोसियों में चीन का छह देशों- भारत, नेपाल, भूटान, वियतनाम, मंगोलिया, म्यांमार से लगातार विवाद जारी है। इतना ही नहीं तीन और देश- रूस, लाओस और कजाखस्तान ऐसे भी हैं, जिन पर चीन विवाद सुलझाने के बावजूद अपना दावा करता दिख जाता है।

चीन के नए कानून में ऐसा क्या, जिससे भड़क सकता है उसका झगड़ा?
चीन के नए कानून को सात भागों में रेखांकित किया गया है। इसमें 62 खंड दिए गए हैं, जिसमें पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) की स्वायत्ता और क्षेत्रीय अखंडता को पवित्र करार दिया गया है। इस कानून के तहत अब सीमाओं से जुड़े मामलों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और पीपुल्स आर्म पुलिस (पीएपी) को आधिकारिक तौर पर घुसपैठ, अतिक्रमण या हमले से निपटने का अधिकार दिया गया है। कानून के तहत सीमाई मुद्दों को सुलझाने के लिए लीगल फ्रेमवर्क और जरूरत पड़ने पर सीमाओं को बंद करने के प्रावधान भी रखे गए हैं।

कैसे जमीन पर कब्जा मजबूत करने की इजाजत देता है यह कानून?
यह कानून चीन की सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आर्थिक, सामाजिक और सैन्य विकास को बढ़ावा देने के लिए अहम है। इस कानून के अनुच्छेद 10 और अनुच्छेद 43 में कहा गया है कि चीन सार्वजनिक सेवाओं के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगा, ताकि वहां बसे लोगों के जीवन और नौकरियों को आसान किया जा सके।

दल्ली में मतदाता सूची में संशोधन 1 से 30 नवंबर तक, चुनाव आयोग की तैयारी पूरी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली में मतदाता सूची में विशेष संशोधन को लेकर चुनाव आयोग ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। अब एक नवंबर से 30 नवंबर तक कोई भी मतदाता अपना नाम जुड़वा सकता है और यदि कोई मतदाता पहचान पत्र में गलती भी है तो उसे ठीक करा सकता है। दिल्ली में कोई भी मतदाता छूट न जाए, इसे ध्यान में रखते हुएं मुख्य निवार्चन कार्यालय (सीईओ) ने इस दिशा में पहल की है। इसके तहत एक जनवरी, 2022 को योग्य आवेदकों के नाम सूची में दर्ज किए जाएंगे। दिल्ली में अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए कॉलेज और विश्वविद्यालयों के प्रमुखों के साथ ऑनलाइन बैठक के साथ युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बनाने के लिए निर्वाचन कार्यालय की ओर से प्रयास तेज कर दिए गए हैं। कोविड-19 की वजह से पैदा हुईं चुनौतियों के बावजूद कार्यालय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये भी मतदाताओं तक पहुंच बनाई है। फेसबुक पर विशेष डिजिटल पोस्टर लगाए गए हैं तो ट्विटर के जरिये भी अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सभी जिला मुख्यालयों में डीएम के नेतृत्व में सारी तैयारी शुरू हो चुकी है। कोई भी व्यक्ति जिनकी उम्र एक जनवरी, 2022 या उससे पहले 18 वर्ष पूरी होगी, मतदाता के तौर पर नामांकन के पात्र होंगे। मतदाताओं की अंतिम सूची का 5 जनवरी को प्रकाशन किया जाएगा। इससे पहले जनवरी 2021 में प्रकाशित मतदाता सूची के मुताबिक दिल्ली में मतदाताओं की कुल संख्या 1.48 करोड़ से अधिक थी। इस दौरान 70 विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया गया।

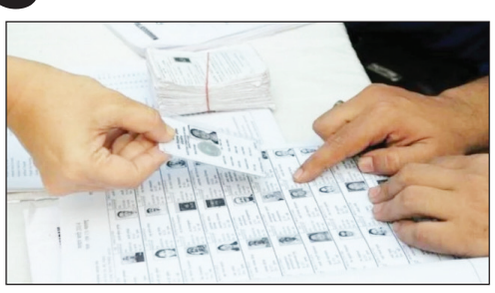

जिला दक्षिण-पश्चिम के उपायुक्त डा. नवीन अग्रवाल ने बताया कि जिले में मतदाता सूची में संशोधन व नये मतदाताओं के नाम जोड़ने को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इससे कार्य से जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि मतदाता सूची का कार्य सही ढंग से हो सके।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रदेश में 1 जनवरी 2022 की स्थिति में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 1 से 30 नवंबर तक चलाया जाएगा। इसके तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से मतदाताओं से अपील की गई है कि इस अवधि के दौरान समस्त संशोधन करा लें। एक जनवरी 2022 की स्थिति में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति, जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वे अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए आवेदन प्रारूप-6 भरकर संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ व अभिहित अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं। विलोपन के लिए प्रारूप-7 तथा नाम, पता या जन्म तिथि संशोधन के लिए प्रारूप-8 एवं मतदान केंद्र परिवर्तन करने के लिए प्रारूप-8 (क) भरना होगा। सभी फार्म बीएलओ तथा अभिहित अधिकारी के पास प्राप्त किए जा सकते हैं।

दावा-आपत्ति प्राप्त करने को बीएलओ तथा अभिहित अधिकारी प्रत्येक कार्यलय दिवस में सुबह 10.30 से शाम 5.30 बजे तक मतदान केंद्र में मौजूद रहेंगे। वही चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को दिल्ली के सीईओ रणबीर सिंह करीब 100 गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों से बातचीत कर सकते हैं। बुधवार को सीईओ कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ इसी विषय पर चर्चा की जाएगी। 21 अक्टूबर को दिल्ली विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के प्राचार्यों के साथ ऑनलाइन बातचीत हुई थी।

सीईओ ने कहा था कि दावे और आपत्तियां नवंबर में दर्ज की जा सकती हैं। अंतिम मतदाता सूची 5 जनवरी, 2022 को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के लिए सोशल मीडिया को अपनाया जा रहा है ताकि उन्हें लोकतंत्र के गौरवशाली मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा सके।

कोरोना-19: देश में 30 नवंबर तक बढ़ाई गईं पाबंदियां, घर-घर जाकर देंगे दूसरी डोज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को बढ़ने से रोकने के लिए मौजूदा कोविड प्रतिबंधों को 30 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया। सरकार का यह कदम कोविड के मामलों में कल के मुकाबले लगभग 20 फीसदी की तेजी दर्ज आने के बाद लिया गया है। पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना के 16,156 नए मामले दर्ज किए गए। अब इस बीमारी के कुल मामलों की संख्या तीन करोड़ 42 लाख 31 हजार 909 हो गई है।

वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत में अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के चलते स्वास्थ्य को भारत में विकास से जोड़ा गया है। देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। वह, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) एशिया स्वास्थ्य 2021 सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन की थीम ह्लबेहतर कल के लिए स्वास्थ्य सेवा में बदलावह्ल है। मंडाविया ने कहा कि इससे पहले स्वास्थ्य का मतलब केवल इलाज समझा जाता था लेकिन अब स्वास्थ्य को विकास के साथ जोड़ दिया गया है। केवल एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध देश बन सकता है और यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुख्य सोच है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के बेहतर भविष्य के लिए पहुंच, जवाबदेही व जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध है और इन सेवाओं को और बेहतर बनानने की ओर लगातार काम करने में जुटी हुई है।

भारत में नवंबर में कोरोना वैक्सीन के टीकों की 30 करोड़ खुराकें होंगी। इनमें कोवाक्सिन की छह करोड़ खुराक, कोविशील्ड की 22 करोड़ खुराक और जायडस कैडिला की जायकोव-डी की दो करोड़ खुराक शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी। वहीं, सूत्रों के मुताबिक, खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों में पूर्ण टीकाकरण के लिए अगले एक महीने तक चलने वाला ह्लहर घर दस्तकह्ल घर-घर टीकाकरण अभियान धनवंतरी दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को शुरू किया जाएगा।

पीके ने तोड़ा राहुल गांधी का भ्रम, भाजपा अभी जाने वाली नही

-कहा, भाजपा दशकों तक रहेगी मजबूत, मोदी को अभी सत्ता से बाहर करना मुश्किल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- चुनावी रणनीतिकार और इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सलाह देते हुए कहा कि वह भाजपा या मोदी को लेकर जैसा समझते है ऐसा कुछ नही है। उन्हे किसी भ्रम में नही रहना चाहिए क्योंकि जो पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर 30 फीसदी वोट हासिल कर लेती है उसे इतनी जल्दी नकारा नही जा सकता। इस वोट बैंक का असर कई दशकों तक रहता है। प्रशांत किशोर ने ये बात गोवा में तृणमूल कांग्रेस के एक चुनाव कार्यक्रम के दौरान कहीं। गोवा संग्रहालय में किशोर ने कहा ह्यइस जाल में बिलकुल मत फंसिए कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नाराज हैं और उन्हें सत्ता से बाहर कर देंगे। हो सकता है लोग मोदी को सत्ता से बाहर कर भी दें, लेकिन भाजपा अभी कहीं नहीं जा रही है। आपको इससे अगले कई दशकों तक लड़ना होगा।

प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा भारतीय राजनीति में दशकों तक सत्ता के केंद्र में बनी रहेगी। प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी के बारे में कहा कि वह जैसा समझते हैं वैसा होने वाला नहीं है।

शायद उन्हें लगता है कि बस कुछ समय में लोग नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटा देंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। किशोर ने कहा कि जब तक आप मोदी की ताकत का अंदाजा नहीं लगा लेते, आप उन्हें हराने के लिए कभी भी काउंटर नहीं कर पाएंगे । ज्यादातर लोग उनकी ताकत को समझने में समय नहीं लगा रहे हैं। जब तक आप यह ना समझ जाएं कि ऐसी कौन सी चीज है जो उन्हें लोकप्रिय बना रही है तब तक आप उनको काउंटर नहीं कर पाएंगे।

डाबड़ी पुलिस ने किया सैक्स रैकेट का पदार्फाश, मास्टमांइड महिला समेत 5 गिरफ्तार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- पहले की जाती थी टिंडर पर लक्ष्य की पहचान, फिर पीड़ित जब जाल में फंस जाता था तो शुरू होता था सैक्स रैकेट का जबरन वसूली का धंधा। डाबड़ी पुलिस ने एक ऐसे ही सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है जो लोगों को सेक्स जाल में फंसाकर फिल्मी अंदाज में जबरन वसूली का धंधा करते थे। आरोपी ने जेल में इस नये धंधे को सीखने की बात कही है। पुलिस ने इस मामले में महिला सरगना समेत कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से जबरन वसूले गये 1,78,400 रुपये, 3 सोने की अंगूठी, 4 मोबाइल फोन, 3 पुलिस फाइलें, 1 वैगनर कार, 1 टीवीएस स्कूटी, बीकन लाइट व एक एयर गन बरामद की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने बताया कि 23 अक्तुबर को शिकायतकर्ता रमेश तायल ने थाना डाबरी के क्षेत्र में स्थित टिम्बर ट्रेडर्स के एक व्यवसायी ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें पूजा नाम की एक महिला का फोन आया कि उसे कुछ प्लाई बोर्ड खरीदने है जिसके लिए उसने उसे माता चान्न देवी अस्पताल के पास बुलाया लेकिन जब वह वहां पंहुचा तो वह उसे लेकर एक घर में ले गई जहां उसने उसे पीने का पानी दिया जिसके बाद वह बेहोश हो गया और जब उसकी आंख खुली तो देखा कि वह बिस्तर पर नग्न अवस्था में पड़ा है और उसके चारो तरफ 5-6 महिलाऐं व 3 आदमी खड़े थे। उन्होने बिना कुछ बताये उसकी पिटाई शुरू कर दी और उसके पर्स से 15700 रुपए, हाथ की

घड़ी, सोने की अंगुठी छीन ली और मामला रफा-दफा करने के लिए 7 लाख रुपए मागे और ना देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए सीडीआर के माध्यम से आरोपी का पता लगाया जिसमें सुश्री सोनू सूरी मास्टर मांइड पाई गई। गिरोह की पहचान के बाद टीम ने कार्यवाही करते हुए गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि गिरोह की सरगना सुश्री सूरी ने जबरन वसूली का धंधा जेल से सीखा है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान 1 रेवती देवी पत्नी वैभव निवासी जीवन पार्क नई दिल्ली आयु 33 वर्ष, 2 वैभव पुत्र स्वर्गीय श्री अश्विनी कुमार निवासी जीवन पार्क नई दिल्ली आयु 37 वर्ष, भूमिका- पति और पत्नी दोनों ने अपराध करने के लिए आवास प्रदान किया। पहले वे सी-46, भगवती विहार उत्तम नगर नई दिल्ली में रहते थे।

3 सोनू सूरी पुत्री के एल सूरी निवासी एचएनओ 671, चार मंजिला विशाल एन्क्लेव द्वितीय तल राजौरी गार्डन नई दिल्ली उम्र 42 वर्ष
भूमिका - उसने पत्राचार के माध्यम से बीए द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण किया और तितरपुर में दो दुकानें और दो गैर सरकारी संगठन चलाए। उसे 7 साल की कैद के साथ एफआईआर नंबर 95/13 यू/एस 323/328/109/376/120-बी आईपीसी के मामले में दोषी ठहराया गया था, जब वह 19 महीने की कैद के बाद वापस आई तो उसने फिर से शीतल, हेमा और के साथ एक गिरोह शुरू किया। 4-5 अन्य लोग।
(4) शीतल अरोड़ा उर्फ पूजा पत्नी धीरज निवासी एचएनओ। 101 तोमर कॉलोनी, बुराड़ी दिल्ली उम्र 40 साल।
भूमिका - वह पीड़िता को मौके पर ले गई।
(5) हरबिंदर सिंह उर्फ जज साहब पुत्र हरबंश सिंह निवासी एचएनओ ई-234, टैगोर गार्डन द्वितीय तल नई दिल्ली उम्र 60 वर्ष। भूमिका- जबरन वसूली
पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि और मामलों का खुलासा हो सके।

अब चूल्हा जलाना भी होगा मंहगा, 14 साल बाद बढ़ रही है माचिस की कीमत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/प्रशांत मिश्रा/- देश में पहले ही मंहगाई की मार झेल रही आम जनता को अब एक और झटका लगने वाला है हालांकि बात कुछ रूपयो की नही है लेकिन फिर भी मंहगाई तो बढ़ी ही है। दरअसल अब ,माचिस की डिब्बी के दाम बढ़ने जा रहे हैं जिसकारण अब चुल्हा जलाना भी मंहगा हो जायेगा। हालांकि अभी तक रसोई गैस की बढ़ी कीमत पर ही हायतौबा मची थी लेकिन अब माचिस के दाम में भी करीब 14 साल दौगुनी बढ़ौतरी होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक 1 दिसंबर से माचिस के दाम 1 रूपए से बढ़कर 2 रुपए हो जायेंगे। कीमत में बढ़ोतरी का ये फैसला ऑल इंडिया चैंबर ऑफ मैर्चेंट्स की बैठक में लिया गया है। आपको बता दे कि खाने-पीने की चीजों से लेकर पेट्रोल व डीजल और रसोई गैस तक के दाम आसमान छू रहे हैं। अब हर घर की रसोई में मामूली सी दिखने वाली माचिस भी मंहगी होने जा रही हैं। 14 साल के बाद माचिस की डिब्बी के दाम में बढ़ोतरी होने जा रही हैं।

केविके उजवा में शुरू हुआ डी कंपोजर घोल बनाने का कार्य, डीएम दक्षिण-पश्चिम ने किया शुभारंभ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- शनिवार को कृषि विज्ञान केंद्र उजवा दिल्ली में भारत सरकार की परियोजना फसल अवशेष का संस्थान प्रबंधन के अंतर्गत डी कंपोजर के घोल के निर्माण कार्य का प्रारंभ किया गया। इसकी शुरूआत डॉक्टर नवीन अग्रवाल जिलाधीश व उपायुक्त दक्षिण पश्चिम दिल्ली ने किया। इस अवसर पर श्री अमित काले, उप जिलाधिकारी नजफगढ़ व केविके

के अध्यक्ष डा. पी के गुप्ता भी उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ अग्रवाल ने बताया कि किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई दिल्ली के द्वारा विकसित बायो पूसा डी कंपोजर तकनीक को अपनाना चाहिए जिससे किसानों को कृषि प्रणाली प्रबंधन में मदद मिलेगी। वहीं डॉ पी के गुप्ता अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र उजवा दिल्ली ने बायो डी कंपोजर का घोल बनाने की विधि एवं छिड़काव के बारे में सभी को अवगत कराया तथा मृदा में जीवांश पदार्थ की बढ़ोतरी की उपयोगिता के बारे में बताते हुए किसानों को सलाह दी कि डी कंपोजर का प्रयोग धान की पराली के साथ-साथ अन्य फसलों के अवशेषों को मिट्टी में मिला कर मृदा में जीवांश पदार्थ की मात्रा में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

आर्यन खान को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दी जमानत, अगले दो दिन में हो सकती है रिहाई

-आर्यन को 25 दिन बाद मिली जमानत, 3 दिन की बहस के बाद आर्यन खान के साथ-साथ अरबाज मर्चेंट व मुनमुन धमेचा को भी मिली जमानत

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को करीब 25 दिनों बाद जमानत मिल गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 3 दिनों की बहस के बाद आर्यन खान के साथ-साथ अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा को भी जस्टिस नितिन साम्ब्रे ने जमानत देने का फैसला दिया। हालांकि, तीनों की जेल से रिहाई कल या परसों ही होने की संभावना है। दरअसल, इस मामले में हाई कोर्ट का पूरा फैसला कल दोपहर या शाम तक आने की उम्मीद है और इसके बाद ही रिलीज ऑर्डर जारी होगा। अगर दोपहर तक हाई कोर्ट का विस्तृत फैसला हो जाता है, तो शाम तक तीनों की रिहा हो जाएंगी। अगर देर होती है, तो फिर इनकी रिहाई शनिवार को ही हो पाएगी।

फैसले के बाद आर्यन के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि मेरे मुवक्किल को जमानत मिल गई है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट का विस्तृत फैसला आने के बाद आर्यन की रिहाई कल या परसों तक हो जाएगी। इसके साथ ही यह तय हो गया है कि आर्यन खान अपने घर ह्लमन्नतह्ल में दिवाली मना पाएंगे।

बेल के विरोध में अनिल सिंह ने दीं ये दलीलें
अनिल सिंह ने आज कोर्ट में कहा, आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट नियमित रूप से ड्रग्स लेते हैं। यह भी सामने आया है कि बल्क क्वॉन्टिटी में हार्ड ड्रग्स खरीदी गईं। वह ड्रग पेडलर्स के संपर्क में भी है। अचित ड्रग पेडलर है। उसे क्रूज से गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, आर्यन और अरबाज बचपन के

दोस्त हैं। उन्होंने साथ में ट्रैवल किया और एक ही रूम में रुकने वाले थे। अगर दो लोग साथ थे। उनमें से एक को पता है कि दूसरे के पास ड्रग्स है और वह लेता है तो पहला पर्सन ह्लकॉन्शियस पजेशनह्ल में है। उन्होंने जज के सामने आर्यन के चैट्स भी रखे।

अनिल सिंह ने कहा, ये लोग कह रहे हैं कि हमने मेडिकल टेस्ट नहीं किया। हम तो ड्रग्स रखने पर बहस कर रहे हैं। आर्यन की जानकारी में ड्रग्स था। यह कॉन्शस पजेसन है। एनसीबी की तरफ से दलील रखी गई कि सभी 8 लोगों के पास अलग-अलग तरह की ड्रग्स मिली वह भी एक ही दिन, एक ही जगह से। आप देखिए ड्रग्स कैसी हैं और इनकी मात्रा क्या है।

अनिल सिंह ने कोर्ट में कहा, मेरा यह कहना है कि उसकी जानकारी में ड्रग्स रखी गई थी औ? उसका पेडलर्स से कनेक्शन है और यह कॉमर्शियल क्वॉन्टिटी में थी। साजिश को साबित करना कठिन है। सिर्फ साजिशकर्ता जानते हैं।

हमारे पास वॉट्सऐप चैट्स हैं जिन्हें हम ऑन रिकॉर्ड रखेंगे। अगर किसी ने क्राइम नहीं किया लेकिन कोशिश की तो ये भी क्राइम ही है। अनिल सिंह ने जस्टिस साम्ब्रे को दिखाए चैट्स। अनिल सिंह ने कोर्ट में कहा कि सबूतों से छेड़छाड़ की जा सकती है क्योंकि एक एफिडेविट में कुछ नाम और डिटेल्स थी।

अनिल सिंह ने कहा, ये लोग कह रहे हैं कि हमने मेडिकल टेस्ट नहीं किया। हम तो ड्रग्स रखने पर बहस कर रहे हैं। आर्यन की जानकारी में ड्रग्स था। यह कॉन्शस पजेसन है। एनसीबी की तरफ से दलील रखी गई कि सभी 8 लोगों के पास अलग-अलग तरह की ड्रग्स मिली वह भी एक ही दिन, एक ही जगह से। आप देखिए ड्रग्स कैसी हैं और इनकी मात्रा क्या है।

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हमला एक सोची समझी साजिश- आरएसएस

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों और धार्मिक स्थलों पर हुए हमलों को लेकर आरएसएस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि ये हमले एक साजिश का हिस्सा थे ताकि अल्पसंख्यक समुदाय को वहां से खदेड़ा जा सके। इसके साथ ही आरएसएस की ओर से केंद्र सरकार से अपील की गई है कि वह इस संबंध में बांग्लादेश से बात करे और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

कर्नाटक के धारवाड़ में संघ की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यह बात कही गई। आरएसएस के सह-सर कार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि संघ यह मांग करता है कि बांग्लादेश सरकार को उन तत्वों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन लेना चाहिए, जिन्होंने हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले किए। आरएसएस की तीन दिवसीय बैठक की शुरूआत धारवाड़ में गुरुवार को हुई। आरएसएस का कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का सफाया और उन्हें बेदखल करने की कोशिश की जा रही है। हिंदुओं पर हमला एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था। जानबूझ कर फर्जी खबरें चलाई गईं और धार्मिक संघर्ष पैदा किया गया था। आरएसएस ने संयुक्त राष्ट्र व मानवाधिकार आयोग पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। आरएसएस का कहना है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले पर यूएन चुप रहा। आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी समिति की बैठक में प्रस्ताव पास करते हुए ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी अरुण कुमार ने बताया कि संघ की मांग है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों की जांच की जाए और इसमें जो भी दोषी है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि विश्व में बसे हिंदुओं की सुरक्षा के लिए वह कदम उठाए और बांग्लादेश सरकार से भी इस संबंध में बात करे।

बांग्लादेश में दुर्गा पंडालों पर निशाना बनाया गया था। अलग-अलग जगह पर उपद्रवी भीड़ ने दुर्गा पंडालों पर हमला किया कर दिया था। इस दौरान हुई गोलीबारी में चार हिंदुओं की मौत हो गई थी, वहीं सैंकड़ों लोग घायल हो गए थे। इसके अलावा इस्कॉन मंदिर पर भी हमला हुआ था। इस हमले में एक श्रद्धालु की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों में भी आग लगा दी गई थी। इस्कॉन मंदिर पर हमले के कुछ दिन ही बाद भीड़ ने हिंदुओं के घरों को निशाना बनाया था। करीब 50 से ज्यादा हिंदू घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। इस दौरान करीब 20 हिंदू घर पूरी तरह जल गए थे।

गोगी गैंग का शार्प शूटर पुलिस मुठभेड़ में ढेर, दो पुलिसकर्मी भी घायल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/रोहिणी/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- रोहिणी के बेगमपुर इलाके में शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है. गोगी गैंग का शार्प शूटर एनकाउंटर में ढेर हो गया है. फायरिंग के दौरान दो पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है हालांकि दोनो पुलिसकर्मी अब खतरे से बाहर बताये जा रहे है। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

रोहिणी जिले के डीसीपी प्रणव तायल ने शुक्रवार को एनकाउंटर पर मीडिया से जानकारी साझा करते हुए बताया कि मारे गए बदमाश का नाम दीपक उर्फ बच्ची टाइगर है जो गोगी गैंग का शार्प शूटर था। वह पिछले दिनों टिल्लू गैंग के एक शूटर दीपक राधे की हत्या में शामिल था। साथ ही इसके ऊपर पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। जब पुलिस दीपक उर्फ बच्ची तक पहुंची तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें दो कॉन्स्टेबल विकास और सन्नी को गोली लगी जो मामूली रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की जिसमें दीपक उर्फ बच्ची को गोली लगी और वह मौके पर ही ढेर हो गया.। सूत्रों के अनुसार दीपक हरियाणा के जींद का रहने वाला था और हत्या के एक मामले में फरार था।

जानकारी के अनुसार एनकाउंटर के दौरान कई राउंड गोलियां चलाई गईं। मारा गया बदमाश बीते दिनों रोहिणी के ही ज्ञछ काटजू इलाके में हुई राधे नाम के युवक की हत्या के मामले में वांटेड था।

जबरन शादी के आरोप के बीच दिल्ली महिला आयोग ने किया युवती को रेस्क्यू

-दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस व आरपीएफ की टीम के साथ चलती ट्रेन से किया रेस्क्यू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली राज्य महिला आयोग की टीम ने जबरन शादी के लिए झारखंड ले जाई जा रही एक युवती को दिल्ली पुलिस और आरपीएफ के साथ मिलकर चलती ट्रेन से रेस्क्यू किया है। पीड़ित युवती 23 वर्षीय लॉ की छात्रा है और आरोप है कि उसके परिजन जबरन शादी कराने के लिए उसे झारखंड ले जा रहे थे। दिल्ली राज्य महिला आयोग को एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवती को उसके परिजन जबरन शादी के लिए झारखंड ले जा रहे है जिसके बाद दिल्ली महिला आयोग की टीम ने

दिल्ली पुलिस से संपर्क साधा और इसके बाद दिल्ली पुलिस के साथ महिला आयोग की टीम आनन-फानन में आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंची। ट्रेन में सवार पीड़ित युवती को ढूंढा गया और फिर आयोग की टीम ने उसे अपने साथ ले लिया तथा शादी के लिए जबरन झारखंड ले जा रहे परिजनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पीड़ित 23 वर्षीय युवती लॉ यूनिवर्सिटी में कानून की पढ़ाई कर रही है. वह अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती है, लेकिन आरोप है कि परिजन उसकी शादी कराना चाहते हैं। शादी कराने के लिए परिजन उसे जबरन झारखंड ले जा रहे थे। महिला आयोग के हस्तक्षेप के बाद आरपीएफ और दिल्ली पुलिस की मदद से छात्रा को बचाया गया है। पीड़ित युवती का आरोप है कि शादी से मना करने पर परिजनों ने उसे कमरे में बंद कर दिया था।

दिल्ली कांग्रेस कमेटी में टाइटलर की नियुक्ति पर भड़के मनजिंदर सिंह सिरसा

-1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपी है जगदीश टाइटलर, प्रियंका गांधी व नवजोत सिंह सिद्धू पर बोला हमला

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली में हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों के आरोपी जगदीश टाइटलर को दिल्ली कांग्रेस में स्थायी जगह देने पर सिखों में आक्रोश है। दिल्ली के सिखों का प्रतिनिधित्व करने वाली दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस पर कड़ा एतराज जताया है। कांग्रेस के फैसले को आधार बनाकर उन्होंने यूपी कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर हमला बोला है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि जगदीश टाइटलर 1984 के दंगे का मुख्य आरोपी है। कांग्रेस उसे हमेशा से

बचाते रही है। अपने राज में उन्होंने जगदीश टाइटलर को सीबीआई से क्लीन चिट दिलवाई थी। सिरसा ने कहा कि उन्होंने कमेटी अध्यक्ष रहते हुए कोर्ट से उस क्लीन चिट को खारिज करवाया और अब 17 नवंबर को सीबीआइ इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने जा रही है।

सिरसा ने दावा किया कि जगदीश टाइटलर का जेल जाना तय है। जेल जाने के बाद टाइटलर कुछ और नामों का खुलासा कर सकता है, इसी डर से उसे कांग्रेस में स्थायी जगह दी गई है। सिरसा ने कहा कि कुलदीप सेंगर मामले में प्रियंका गांधी ने ये कहा था कि जब किसी आरोपी को राजनीतिक संरक्षण मिलता है तब पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि वो सरदार नवजोत सिंह सिद्धू से भी पूछना चाहते हैं कि उनके कहे अनुसार जब समझौते से चरित्र का पतन हो जाता है तो क्या इस मामले में वो लागू नहीं है! उन्होंने कहा कि ह्लसिद्धू साहब, चुप्पी साधने से भी चरित्र का पतन हो जाता है.। सिरसा ने कहा कि वो जगदीश टाइटलर को सजा दिलवाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और इस दिशा में लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होने बताया कि जगदीश टाइटलर के खिलाफ गवाहों ने अपने बयान दे दिये है और उन्हे जल्द सजा होने वाली है लेकिन कांग्रेस उसे बचाने का काम कर सिखों के खिलाफ काम कर रही है। बता दें कि गुरुवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने टाइटलर को प्रदेश कांग्रेस कमिटी में शामिल किया है। जगदीश टाइटलर के साथ ही पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जेपी अग्रवाल, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव जनार्दन द्विवेदी और पूर्व केंद्रीय मंत्रियों कपिल सिब्बल, अजय माकन और कृष्णा तीरथ को भी जगह दी गई है।

गाजीपुर व टिकरी बार्डर से बैरिकेड हटाने का काम शुरू, टिकैत बोले- अब फसल बेचने संसद जाएंगे

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- टिकरी के बाद अब गाजीपुर बॉर्डर से बैरिकेड हटाने का काम शुरू हो गया है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि बैरिकेड हटने के बाद गाजियाबाद व बहादुरगढ़ से दिल्ली आना अब आसान हो जायेगा। फिलहाल इस सड़क पर कृषि कानूनों की वापसी को लेकर महीनों से किसानों का प्रदर्शन जारी है जिसकारण स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। फिलहाल सिर्फ बैरिकेड हट रहे हैं, प्रदर्शनकारी किसान अभी वहीं डटे रहेंगे।जानकारी मिली है कि गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने सबसे पहले कंटीले तार हटाने शुरू किए हैं। इससे पहले गुरुवार रात टिकरी बॉर्डर से बैरिकेडिंग हटानी शुरू की थी। .गाजीपुर बॉर्डर से बैरिकेड हटाने का काम शुरू होते ही अब इस मामले पर भारतीय किसान यूनियन के

प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि किसान अपनी फसल कहीं पर भी बेच सकता है तो अब रास्ते खुलने के बाद हम अपनी फसल बेचने पार्लियामेंट जाएंगे। पहले हमारे ट्रैक्टर दिल्ली जाएंगे, हमने रास्ते नहीं रोक रखे हैं, हम आगे की योजना बनाकर बताएंगे। ईस्ट दिल्ली की डीसीपी प्रियंका कश्यप ने कहा, ह्लबैरिकेडिंग को हटा रहे हैं., एक घंटे के अंदर हम इसे हटा देंगे। हमें आदेश आए हैं इसलिए हम बैरिकेडिंग को हटा रहे हैं। अभी हाईवे पर लगी बैरिकेडिंग को हटाया जा रहा है। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों को ब्लॉक करने पर नाराजगी जताई थी।

कोर्ट ने कहा था कि लंबे वक्त तक ऐसे किसी रास्ते को बंद नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे आम लोगों को दिक्कत होती है। इसके बाद गाजीपुर बॉर्डर पर राकेश टिकैत ने अपने कुछ टेंट हटाकर यह दिखाने की कोशिश की थी कि रास्ता किसानों ने नहीं बल्कि पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बंद किया हुआ है। टिकैत के उसी आरोप के बाद अब पुलिस ने पहले टिकरी और अब गाजीपुर से बैरिकेड हटाने शुरू किए हैं। दिल्ली पुलिस ने टिकरी बॉर्डर पर रखे बैरिकेड्स गुरुवार रात से हटाना शुरू कर दिया है। जहां किसान केंद्र के तीन कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में सड़क के एक रास्ते को खोल दिया जाएगा। यह कदम उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के कुछ दिन बाद उठाया गया है। सुनवाई के दौरान किसान संगठनों ने न्यायालय में कहा था कि दिल्ली की सीमाओं पर अवरोधक पुलिस ने लगाए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि टिकरी बॉर्डर पर आठ में से चार स्तर के बैरिकेड्स हटा लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सीमेंट के अवरोधक अब भी वहां हैं और यात्रियों की आवाजाही के लिए सड़क बंद है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में टिकरी बॉर्डर पर जेसीबी मशीनों को अवरोधक हटाते देखा जा सकता है।

डीसीपी शंकर चौधरी ने कहा- द्वारका पुलिस का वर्चस्व अभियान पड़ रहा अपराधियों पर भारी, अब पिकासो की बारी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- द्वारका डीसीपी शंकर चौधरी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा चलाये जा रहे वर्चस्व अभियान का द्वारका जिला में अब असर दिखने लगा है। पुलिस की रात-दिन की लगातार गश्त व कड़ी नाके-बंदी ने अपराधियों की नाक में दम कर दिया है। वर्चस्व अभियान के तहत अब द्वारका जिला में अपराध व अपराधियों के लिए कोई जगह नही बची है। जिसकारण या तो अपराधी पलायन कर गये है या फिर छिप गये है। लेकिन फिर भी उनकी सतर्क पुलिस टीमे अपराधियों को ढूंढ ढूंढकर जेल का रास्ता दिखा रही है।

डीसीपी चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन वर्चस्व की सफलता के साथ-साथ हम अपराधियों पर पिकासों नाम से एक और प्रहार करने जा रहे है। उन्होने बताया कि त्यौहारी सीजन होने के कारण अपराधी भी सक्रिय हो चुके है। जो क्षेत्र में गोलीबारी की धटनाओं को अंजाम देकर लोगों व दूकानदारों में दहशत व डर का माहौल पैदा करना चाहते है। लेकिन जिला की टीमें पूरी तरह से सतर्क है और सभी थानों की टीमें भी हर क्षेत्र पर नजर बनाये हुए है। उनका मुख्य उद्देश्य अपराध को होने से रोकने का है ताकि क्षेत्र की जनता अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सके और पुलिस पर विश्वास जमा रहे। जब लोग पुलिस के साथ होंगे तो अपराधों की संख्या अपने आप कम हो जायेगी और अपराधी पुलिस की नजर से बच नही पायेंगे।श्री चौधरी ने बताया कि द्वारका जिला की सीमाऐं बहादुरगढ़, झज्जर व गुरूग्राम से लगती है। जिसकारण दूसरे राज्य के अपराधी भी इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व जमाने की कोशिश करते है जिसकारण यहां गैंगवार की समस्या खड़ी रहती है। पिछले कई मर्डर गैंगवारी का ही नतीजा पाये गयें है।

यहां गैंगवार व आपसी रंजिश में हत्यायें ज्यादा हो रही है। लेकिन जिला की टीमें पूरी ईमानदारी से हर बार अपराधियों पर वार कर रही है और किसी भी घटना व वारदात के तुरंत बाद अपराधियों को पकड़ा भी जा रहा है। हालांकि उन्होने कहा कि कोरोना काल में जेलों से छूटे अपराधी भी पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए है। फिर भी पुलिस उनकी हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है। ऐसे अपराधियों की पुलिस लगातार जांच कर रही है और उनके फोन व दूसरी जानकारी इक्ट्ठा कर रही है। जिला में अवैध शराब माफिया पर भी अब पुलिस पूरी तरह से नजर बनाये हुए। हालांकि अभी भी कुछ आपराधिक घटनाये हो रही है जिसके लिए वह जल्द जिले में पिकासों नाम से अभियान चलाने वाले है ताकि अपराधियों को अपराध करने से पहले ही पकड़ा जा सके तभी पुलिस का सही मायने में उद्देश्य हल हो पायेगा। वह त्यौहारों को देखते हुए जिला में अतिरिक्त बल भी तैनात कर रहे है ताकि लोग व व्यापारी बिना डरे अपना काम कर सके और सुरक्षित त्यौहार मना सके।

स्वच्छता और स्वस्थता का पर्व है धनतेरस-दीवाली

अभी तक भारत के शहरों व कस्बों को लोग गंदगी के रुप में ही जानते आएं हैं। गंदगी इस कदर जैसे लगता है गरीबी व गंदगी भारतीयों का चोली-दामन का साथ है। पर मोदी के स्वच्छता मिशन से उम्मींदे जगी हैं। क्योंकि नागरिक मूल्य और स्वच्छता राष्ट्रवाद की नींव हैं। स्वच्छता राष्ट्रीय गौरव का आधार हैं। मोदी और गांधी में अंतर यह है कि मोदी हमारी दिन-प्रतिदिन की समस्याएं सुलझाने के लिए टेक्नोलॉजी की शक्ति में भरोसा करते हैं। उन्हें भरोसा है कि मेट्रो परिवहन व्यवस्था के साथ स्मार्ट शहर नए नागरिक मूल्य स्थापित करेंगे।

गंदगी किसी को पसंद नहीं होती। स्वच्छता अभियान बहुत कम समय में अपनी जड़ों को जमाने में सफल हो रहा है। मोदी का यह अभियान सत्याग्रही गुलामी से मुक्ति दिलाता है, स्वच्छाग्रही गंदगी से। इन सबके बीच त्योहार कहीं न कहीं हमें स्वस्थ एवं स्वच्छता संदेश देता है। धनतेरस व दीवाली इसका सबसे सटीक उदाहरण हैं। सालों साल से दीवाली व धनतेरस पर घर से लेकर खलिहान तक व प्रतिष्ठानों से लेकर कार्यालयों तक सफाई की परिपाटी है। क्योंकि बारीश जहां एक तरफ सकुन देती है तो वहीं तरह-तरह के संक्रामक बीमारियों को भी छोड़ जाती है। इससे जानलेवा बीमारियों के पनपने का खतरा रहता है। इससे निपटने के लिए ही सफाई को प्राथमिकता भी दी गई है। वैसे भी इस पर धन की देवी लक्ष्मी की पूजा होती है और लक्ष्मी वहीं ठहरती है जहां स्वच्छता होता है। बेशक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नागरिकों को नागरिकता के मूल्य सिखाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान देश का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। मोदी ने देश के इतिहास में राष्ट्र की सफाई का सबसे बड़ा अभियान छेड़ा है। आधुनिकीकरण की इस परियोजना में मोदी को टेक्नोलॉजी के कारण सफलता की उम्मीद है, जिसमें महात्मा गांधी और पूर्ववर्ती सरकारें विफल रहीं हैं। उन्हें लगता है कि देशभर में स्वच्छता ही एक ऐसा मंत्र है जिससे लोगों को जागरुक कर आर्थिक स्थिति सुधारी जा सकती है। भला क्यों नहीं, देखा जाएं तो देश के अधिकांश नागरिकों की कमाई का एक बड़ा हिस्सा बीमरियों पर ही खर्च हो जाता है और बीमारियां गंदगी की सबसे बड़ा कारक है। अगर गंदगी ही ना रहे तो बीमरियां पनपने का सवाल ही नहीं हैं। प्रदूषण से लेकर खान-पान में निर्धारित मात्रा से अधिक पाएं जाने वाले जहरीले रासायनिक तत्व गंदगी से ही फल फूलते हैं। ऐसे में विकास सिर्फ वृद्धि दर से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में गुणवत्ता लाने और साफ-सुथरा वातावरण देकर बीमारियों में होने वाले खर्च पर काबू पाने के बाद ही देश में खुशहाली व समृद्धि लाई जा सकती है।

अभी तक भारत के शहरों व कस्बों को लोग गंदगी के रुप में ही जानते आएं हैं। गंदगी इस कदर जैसे लगता है गरीबी व गंदगी भारतीयों का चोली-दामन का साथ है। पर मोदी के स्वच्छता मिशन से उम्मींदे जगी हैं। क्योंकि नागरिक मूल्य और स्वच्छता राष्ट्रवाद की नींव हैं। स्वच्छता राष्ट्रीय गौरव का आधार हैं। मोदी और गांधी में अंतर यह है कि मोदी हमारी दिन-प्रतिदिन की समस्याएं सुलझाने के लिए टेक्नोलॉजी की शक्ति में भरोसा करते हैं। उन्हें भरोसा है कि मेट्रो परिवहन व्यवस्था के साथ स्मार्ट शहर नए नागरिक मूल्य स्थापित करेंगे। इससे ज्यादा सद्भावनापूर्ण, ज्यादा मानवीय कुछ नहीं हो सकता कि गहराई में हम यह महसूस करें कि हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमें ऐसे अवसर निर्मित करने होंगे जहां लोग कंधे से कंधा मिलाकर काम करके एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और आदर पैदा कर सकें। मोदी की बात में दम है, क्योंकि स्वच्छता अभियान ने बता दिया है कि आप शहर की संस्कृति बदल सकते हैं। परिवहन का नया साधन नागरिक क्रांति लाने का शक्तिशाली जरिया हो सकता है। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायतो के सामने कम लागत वाली टेक्नोलॉजी उपलब्ध है, लेकिन वे तब सफल होंगी जब हमारे नागरिक प्रयास करेंगे और इसीलिए मोदी लोगों का नजरिया बदलने का प्रयास कर रहे हैं।

मोदी सिंगापुर के महान नेता ली कुआन यू का अनुसरण कर रहे हैं, जिन्होंने यह साबित किया कि स्वच्छता के नैतिक मूल्य पर राष्ट्र निर्माण संभव है। हालांकि, यदि भारत को इस अभियान का शोर व जोर ठंडा होने के बाद भी स्वच्छ रहना है तो मोदी को भी वही करना होगा, जो सिंगापुर ने किया। उन्हें कचरा फैलाने के खिलाफ सख्त कानून बनाने होंगे। आरोग्य व लोक स्वास्थ्य पर सतत निवेश जरूरी होगा और यह पैसा सही जगह खर्च होगा। द्वितीय विश्वयुद्ध के पहले सिंगापुर किसी भी भारतीय शहर जितना ही गंदा था, लेकिन आज यह धरती का सबसे स्वच्छ शहर है। सिंगापुर ने बड़ी संख्या में कूड़ादान रखवाए और बहुत सारे टॉयलेट का निर्माण करवाया। इसके साथ उन्होंने जुर्माने की कड़ी व्यवस्था उतनी ही शिद्दत से लागू करवाई। कोई भी भारतीय शहर यह कर सकता है।

संस्थाओं की प्रोत्साहन व्यवस्था को लोकहित से जोड़ा गया तो शासक और शासित दोनों का व्यवहार सुधर सकता है। अपने आप में बड़ा सवाल है हमारे सार्वजनिक स्थल गंदे क्यों हैं? यह शिक्षा का काम है या यह सांस्कृतिक समस्या है? निश्चित ही अपनी निजी जगहों पर हम तुलनात्मक रूप से स्वच्छ होते हैं। हम रोज नहाते हैं, हमारे घर साफ होते हैं और किचन तो निश्चित ही चमचमाते होते हैं। हमारी राष्ट्रीय छवि ऐसे भारतीय परिवार की है, जो बड़े गर्व से अपना घर साफ करता है और फिर गंदगी दरवाजे के बाहर फेंक देता है। इसी कमी को मोदी को दूर करना है।

कूड़े-कचरे, मलबे और मानव उच्छिष्ठ के कारण गांवों से लेकर शहरों-महानगरों तक की आबादी घातक रोगों की चपेट में है। बिहार का कालाजार व चमकी हो या पूर्वी उत्तर-प्रदेश का जापानी इंसेफ्लाइटिस, जिनसे हर साल सैकड़ों-हजारों बच्चों की मौत होती है। इन बीमारियों के होने और फैलने का प्रमुख कारण गंदगी है। दावा है कि इस वर्ष के अंत तक गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मिजोरम और उत्तराखंड भी इस श्रेणी में आ जायेंगे। जमीनी हकीकत बहुत फर्क है। देश में शायद ही ऐसा कोई नगर निगम, नगर पालिका या पंचायत हो, जिसके पास अपने क्षेत्र में रोजाना निकलने वाले कचरे को उठाने और कायदे से उसे निपटाने की क्षमता हो। जो कचरा उठाया जाता है, किसी बाहरी इलाके में उसका पहाड़ बनता जाता है। बनारस जैसे शहर में जहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, वहां भी कूड़े के ढेर दिखते हैं। लखनऊ वैसे तो राजधानी है लेकिन, सारी सफाई गोमतीनगर, विधायक निवासों और सरकारी दफ्तरों के पास ही दिखती है। मेरठ हो या आगरा, बरेली हो या मुरादाबाद किसी भी शहर में चले जाइये, सड़कों पर फैली गंदगी दिख ही जाएगी। जब बड़े शहरों का यह हाल है तो संभल, हाथरस, मथुरा, फैजाबाद, गाजीपुर और कुशीनगर आदि में सफाई की अपेक्षा करना ही शायद गलत होगा। इन्हीं सड़कों पर बच्चे चलते हैं, इन्हीं पार्कों में वे खेलते हैं जबकि संबंधित प्रशासन सोता रहता है।

दीपोत्सव पर तमसो मा ज्योतिर्गमय

ट्विट ट्विट ट्विट्टर हू मैं....

रोबो-2 फिल्म से जिन पक्षियों की आस बंधी थी कि उनकी रक्षा में कोई पक्षीराज आएगा वह फिल्म के अंत तक समाप्त हो गई। वह तो भला खुद समझदार हैं जैसे तैसे कंक्रीट के जंगल में भी अपना मंगल गीत गा लेते हैं। किंतु इधर कुछ दिनों से उन्हें ट्विटर नाम के पक्षी ने नाक में दम कर रखा है। नीले रंग में दिखने वाला एक नन्हा सा पक्षी ट्वीट-ट्वीट कर सभी की जुबान पर चहक रहा है। न दाना खाता है ना पानी पीता है बस दुनिया भर को अपने इशारे पर नचाता है। सेलफोन के टावर से ज्यादा रेडिएशन तो इसके भीतर बसा है। इसके रेडिएशन का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि रातों-रात सरकार में तकरार और विपक्ष में नुस्खे निकाल सकता है। विश्वास न हो तो ट्रंप से ही पूछ लो।

वैसे ट्विट का शाब्दिक अर्थ चहचहाना होता है। हमारे यहां चहचहाने के बहाने ऐसे ढूँढ़ लेते हैं जैसे सरकारी राशन के चावल में कंकर। चूँकि सरकारी चावल में कंकर ज्यादा होते हैं, हमारे देश में चहचहाना भी ज्यादा होता है। जिसे देखो वह चहचहाता है। जैसे चाहे वैसे चहचहाने की होड़ में लगा रहता है। मानो गंगा जी का मेला लगा हो। ट्विटर का ह्यलोगोह्ल एक चिड़िया है अतः इससे स्पष्ट होता है की मनुष्यों के दिन-प्रतिदिन वाले सवाल-जवाब, आम बातें सब प्रकृति से जोड़कर एक पटल जिसे आप वृक्ष अथवा वन समझ सकते हैं पर रख दिया गया है। संसार जहाँ जंगल लगे तब मानव का चिड़िया बनकर चहचहाना तो हजम होता है लेकिन चिड़िया के भेष में क्रूर जानवर बनकर ढोंग करना कुछ हजम नहीं होता।

एक वाक्य में कहा जाये तो ट्विटर वह छायादार वृक्ष है जहाँ देश-विदेश के सभी मानव रूपी पक्षियों का बसेरा होता है। जहाँ कोई छोटे-बड़े, काले-गोरे का भेद नहीं। कम से कम ट्विटर के मालिक ने यही ख्वाब देखा होगा। दुर्भाग्य से कोई पक्षी अपनी चोंच को लेकर तो कोई अपने पंखों को लेकर, कोई पंजों को लेकर तो कोई पूँछ लेकर अपनी-अपनी ढींगे हाँके जा रहा है। इन्हीं ढिंगों में जात-पात, ऊँच-नीच, भाषा, प्रांत, लिंग आदि के भेदभाव पैदा होते हैं और ट्विटराने के सारे जंगल को नेस्तनाबूद कर देते हैं।

ट्विटराने की यह खासियत होती है कि जिसे गली का कुत्ता भी नहीं जानता उसके वायरल होने पर दुनिया जानने लगती है। वैसे भी दुनिया मनोविज्ञान के नवीनता का सिद्धांत का पालन कर रही है। जो नया लगता है उसे याद रखती है और पुराना पड़ते ही कचरे के ढेर में फेंक देती है। कहते हैं, अक्खड़ ट्विटरबाज हरियल पक्षी की तरह अहंकार के पेड़ों पर ही रहते हैं। सादगी की जमीन पर नहीं उतरते। सौम्यता रूपी पानी पीने के लिए भी नहीं। दूसरों की गाढ़ी कमाई वाले रसीले फलों और पत्तियों पर जमा ओस से प्यास बुझाकर बदले में ताना ही मारते हैं। शायद इस ट्विटर के हरियल के बारे में कालीदास को पहले ही पता चल गया था। इसीलिए उन्होंने ह्यरघुवंशह्ल में इस हरियल ट्विटराने वाले पक्षी के बारे में अपना दिव्यज्ञान दे दिया था। वे कहते हैं रघु की सेनाएं मलय पर्वत के उन प्रदेशों में पहुंची जहां काली मिर्च के वनों में हरियल उड़ रहे थे। उन्होंने हरियल के बारे में प्रचलित इस किंवदंती का भी उल्लेख किया हैः ह्यगही टेक छूटयो नहीं, कोटिन करौ उपायध्हारित धर पग न धरै, उड़त-फिरत मरि जायह्ल घर के आसपास आजकल कोयल कूक रही है, बुलबुलें और गौरैया भी चहक रही हैं। मैनाओं के कुछ जोड़े भी आसपास दिखाई दे जाते हैं। बाकी मैनाएं शायद प्रवास पर आई थीं, वापस लौट गईं हैं। अच्छा हुआ अब हरियल भी आ गए हैं। अब प्रभु रघु विश्वास में बसते हैं जंगल ट्विटर बनकर कोयल, गौरैया, मैनाओं को तो ढूँढ़ रहा है, दुर्भाग्य से कलयुग में आज के हरियल अपनी चहचहाहट से जंगल को हथिया लिया है।

कोरोना अभी भी खतरनाक, त्योहारों में रहे विशेष सावधान

यह तो हर्ष का विषय है कि भारत ने 100 करोड़ लोगों को वैक्सीनेशनका डोज देकर एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की है। दूसरी तरफ कोविड-19 भारत में लगभग 4 लाख 50, हजार से ज्यादा लोगों को मौत की नींद सुला चुका है, अमेरिका में कोविड-19 के संक्रमण से 7 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में फिर 16 हजार कोविड-19 केस संक्रमित मरीज पाए गए हैं एवं पिछले 24 घंटे में लगभग 13 सौ लोगों की मौत भी हो चुकी हैह्लअभी दीपावली का त्यौहार सामने है और बाजारों में भारी भीड़ उमड़ रही है, पर दिखाई दे रहा है कि लोग मास्क लगाने में, 2 गज दूरी रखने में और लगातार हाथ धोने में परहेज कर रहे हैं, इसी तरह वैक्सीनेशन की रफ्तार भी बहुत धीमी हो गई यह त्योहारों में व्यक्ति की व्यक्तिगत व्यस्तता के कारण हो सकता है पर परिवारों में अनावश्यक भीड़ के बीच जाने से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है, और वैक्सीन लगवाना तो करुणा संक्रमण में अति आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है इसी से संक्रमण से बचा जा सकता है। अतः वैक्सीनेशन अति आवश्यक शस्त्र की तरह करोना के विरुद्ध आवश्यक हथियार है। संक्रमण की रफ्तार भी काफी बढ़ रही है,इसमें भारत वासियों को विशेष तौर पर अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता होगी। भारत में असम और पश्चिम बंगाल में क्रोना के मरीज बड़ी संख्या में पाए गए हैं केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को इस संदर्भ में चेतावनी भी दिए हैं कि वहां वैक्सीन की रफ्तार तेज कर लोगों को संक्रमित होने से बचाएं तथा अनावश्यक संक्रमण से वंचित रखा जाए, एवं त्योहारों में विशेष सावधानी रखने हेतु आवश्यक कदम उठाए हैंह्ल विदेशों में तो कोविड-19 के संक्रमण की भयावह स्थिति पैदा हो गई हैह्ल वाशिंगटन की न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एंथनी फाउची ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में वैश्विक स्तर पर चेतावनी दी है, कि भविष्य में भी दर्द और पीड़ा और मृत्यु तुल्य कष्ट को झेलना पड़ सकता है। क्योंकि आने वाला करोना का नया वेरिएंट बहुत ज्यादा तीव्र एवं खतरनाक हो सकता है। भारत के साथ वैश्विक स्तर पर भी कोविड-19 संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ गए हैं। उन्होंने सभी देशों के नागरिकों से अपील की है कि व्यापक स्तर पर वैक्सीनेशन ही इसका त्वरित उपाय है। उन्होंने कहा की महामारी से युद्ध करने के लिए पर्याप्त टीकाकरण नहीं हो पाया है। जिन्होंने टीकाकरण नहीं करवाया है, वे व्यक्ति कोविड-19 के नए वैरीअंट का संक्रमण बहुत खतरनाक हो सकता है। एंथोनी के हवाले एबीसी के द वीक को कहा कि हमें भविष्य में दर्द और पीड़ा की पुनरावृति नहीं करनी है,तो अधिक से अधिक वैक्सीनेशन की आवश्यकता होगी। कॅरोना के संक्रमण के मामले अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, न्यूजीलैंड, इजरायल तथा ब्राजील में बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत के परिपेक्ष में अभी 2 लाख संक्रमित व्यक्ति मौजूद हैं। एवं रोज भारत में 20 हजार लोग नए संक्रमित पाए जा रहे हैं। केरल ने विगत दिनों त्यौहार के परिपेक्ष में लोगों को खरीददारी करने एवं पर्यटन के लिए एक हफ्ते की खुली छूट दे दी थी,जिसके चलते सिर्फ केरल में ही हजारो लोग संक्रमित पाए गए हैं। मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता में भी कोविड-19 के संक्रमित व्यक्ति तेजी से बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या संक्रमित व्यक्तियों के सही आंकड़े प्राप्त नहीं होने की है।

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा,न्यूजीलैंड में तो 90% लोगों का टीकाकरण हो चुका है, पर विकासशील देशों में जिनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया,म्यांमार, थाईलैंड यहां पर वैक्सीनेशन की रफ्तार बहुत धीमी है। दूसरी तरफ वैक्सीन की अनुपलब्धता भी एक बड़ा कारण बना हुआ है। भारत में ही केवल 90 करोड़ लोगों को वैक्सीनेशन किया गया है। जबकि भारत की जनसंख्या के अनुसार रफ्तार को और तेज करना होगा है। इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यानमार, बांग्लादेश में वैक्सीनेशन की भारी कमी है। एवं वैक्सीन की उपलब्धता भी नहीं है।

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा,न्यूजीलैंड में तो 90% लोगों का टीकाकरण हो चुका है, पर विकासशील देशों में जिनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया,म्यांमार, थाईलैंड यहां पर वैक्सीनेशन की रफ्तार बहुत धीमी है। दूसरी तरफ वैक्सीन की अनुपलब्धता भी एक बड़ा कारण बना हुआ है। भारत में ही केवल 90 करोड़ लोगों को वैक्सीनेशन किया गया है। जबकि भारत की जनसंख्या के अनुसार रफ्तार को और तेज करना होगा है। इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यानमार, बांग्लादेश में वैक्सीनेशन की भारी कमी है। एवं वैक्सीन की उपलब्धता भी नहीं है।

ऐसे में कोविड-19 के संक्रमण से युद्ध के लिए पूरे विश्व को सामूहिक प्रयास करना होगा। भारत और इंडोनेशिया में भारी जनसंख्या के कारण वैक्सीन तथा दवाइयों की अनुपलब्धता एक बड़ी चिंता का विषय है। जॉन हॉकिंस विश्वविद्यालय के 4 अक्टूबर के सर्वे के आंकड़े के अनुसार चीन में भी संक्रमण की दर तेजी से बढ़ रही है पर चूंकि वहां से समाचार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं आ पाते हैं, अतः वहां के आंखों की जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है ह्ल भारत देश में सामूहिक प्रयास कर वैक्सीनेशन की रफ्तार को दुगनी करनी होगी। उल्लेखनीय है कि इजरायल, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस,कनाडा और इटली में बुजुर्गों को बूस्टर डोज वैक्सीनेशन देना प्रारंभ कर दिया है। भारत में जहां पहली वैक्सीन ही नहीं लग पाई है, वहां वैक्सीन के बूस्टर डोज की कल्पना करना बेमानी ही है। यहां नागरिकों को लंबी लंबी लाइन लगाकर वैक्सीनेशन कराने की दिक्कतें आ रही है। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दी गई गाइडलाइंस का ज्यादा जनसंख्या वाले देश के नागरिकों को उसका अक्षरसह पालन करना होगा। अन्यथा कोविड-19 का संक्रमण भारत सहित एशिया के देशों में फिर मौतों का तांडव हो सकता है। भारत में जहां स्कूल खोलने की प्रक्रिया जारी है,वहां पर शत प्रतिशत लोगों को मास्क पहनने की आवश्यकता ज्यादा से ज्यादा होगी एवं सोशल डिस्टेंसिंग तथा हाथ धोने की व्यवस्था भी की जानी होगी। भारत में एक बहुत अच्छी खबर यह है कि जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी ने एक डोज वाली वैक्सीन अब भारत में इजाद कर लोगों को उपलब्ध कराई जा रही है। भारत के जिन राज्यों में जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली ल,हरियाणा, पूर्वोत्तर राज्य, मध्य प्रदेश, गुजरात, केरल, आंध्र प्रदेश में पूर्व में संक्रमण की दर बहुत तेज थी, वहां पर फिर से कोविड-19 की तीसरी लहर की संभावना बलवती हो रही है। इसके अलावा जिन व्यक्तियों ने वैक्सीनेशन करवा लिया है, उन्हें भी सतत सतर्कता बरतनी होगी। अन्यथा परिणाम फिर से विपरीत आने लगेंगे। इसीलिए यह वैश्विक अपील है कि अपने तथा अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन लगवा कर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दी गई गाइडलाइंस का पूरा का पूरा पालन करें एवं सुरक्षित रहें।

दुश्मनों के लिए काल हैं उच्च मिसाइलें

उच्च तकनीक वाली मिसाइलों, अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों और उच्च कोटि के सैन्य उपकरणों को सेना के तीनों अंगों का अहम हिस्सा बनाए जाने के चलते एक ओर जहां भारत की सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है, वहीं दुश्मन देशों की हर प्रकार की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना भी सशक्त हो रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों भारतीय रक्षा अनुसंधान केन्द्र (डीआरडीओ) ने आकाश मिसाइल के नए अपग्रेडेड वर्जन आकाश प्राइम का सफल परीक्षण करके सेना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की। डीआरडीओ द्वारा यह परीक्षण तीव्र गति वाले एक मानवरहित हवाई लक्ष्य को निशाना बनाकर किया गया, जिसे आकाश-प्राइम ने सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस अपग्रेडेड आकाश मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल किए जाने के बाद निःसंदेह सेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 30 दिसम्बर 2020 को कैबिनेट की बैठक में भारत की स्वदेशी आकाश मिसाइलों का निर्यात करने का निर्णय भी लिया गया था, जिसके बाद अब दुनिया के अन्य देश भी इन मिसाइलों को खरीद सकते हैं। दरअसल ऐसी खबरें आती रही हैं कि फिलीपींस, बेलारूस, मलेशिया, थाईलैंड, यूएई, वियतनाम इत्यादि दुनिया के कुछ देश आकाश मिसाइलों की मारक क्षमता से प्रभावित होकर भारत से ये मिसाइलें खरीदना चाहते हैं। निश्चित रूप से भारत के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जो देश अब तक अपनी अधिकांश रक्षा जरूरतें कुछ दूसरे विकसित देशों से आयात कर-के पूरी करता था, वह अब रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ाते हुए दूसरे देशों को सैन्य साजो-सामान निर्यात करने की ओर भी कदम बढ़ा रहा है। आकाश मिसाइल डीआरडीओ द्वारा विकसित और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित एक मध्यम दूरी की मोबाइल सैम (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल) प्रणाली है, जो 18 हजार फुट तक की ऊंचाई पर 30-80 किलोमीटर दूर तक निशाना लगा सकती है।

आकाश मिसाइल के विभिन्न संस्करणों में लड़ाकू जेट, हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हवाई लक्ष्यों को बेअसर करने की विलक्षण क्षमता है। भारतीय थलसेना और भारतीय वायुसेना में आकाश एमके-1 तथा आकाश एमके-1एस की कई स्क्वाड्रन तो पहले से ही कार्यरत हैं। चीन के साथ हुए सीमा विवाद के दौरान गत वर्ष आकाश मिसाइल के कुछ संस्करणों को लद्दाख में एलएएसी पर भी तैनात किया गया था। इसके अलावा भारतीय वायुसेना द्वारा ग्वालियर, जलपाईगुड़ी, तेजपुर, जोरहाट, पुणे एयरबेस पर भी आकाश मिसाइलें तैनात की गई हैं।

भारत में अभी तक आकाश मिसाइल के कुल तीन वैरिएंट मौजूद थे, जिनमें 30 किलोमीटर रेंज वाली आकाश एमके1, 40 किलोमीटर रेंज वाली आकाश एमके1एस और 80 किलोमीटर रेंज की आकाश-एनजी मिसाइलें शामिल थी। अब चौथा संस्करण आकाश प्राइम भी आकाश मिसाइलों की इस श्रृंखला में जुड़ गया है। आकाश एमके1 और एमके1एस सभी मौसम में कम, मध्यम और ऊंचाई से प्रवेश करने वाले मध्यम दूरी के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ एक वायु रक्षा हथियार प्रणाली (एयर डिफेंस वेपन सिस्टम) है लेकिन आकाश प्राइम मिसाइल को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह ऐसी परिस्थितियों से और भी बेहतर तरीके से निपट सके। 21 जुलाई 2021 को आकाश मिसाइल के अपडेटेड वर्जन आकाश-एनजी (आकाश न्यू-जनरेशन) का भी सफल परीक्षण किया जा चुका है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) द्वारा विकसित किया गया और भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) तथा भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा इसका उत्पादन किया जा रहा है।

दिल में उम्मीद का दिया जलाए रखिए

मनुष्य ही नहीं, प्राणी मात्र को अंधेरा रास नहीं आता। वह प्रकाश के लिए छटपटाता है। गहरी स्याह काली अमावस्या के दिन दीपावली होती है। इस शुभ दिन सब पुरुषार्थ रूपी रोशनी का दीपक जलाकर घर-द्वार, आंगन ही नहीं अपने अंतर्मन में भी उजाला भरें शरीर, मन , बुद्धि का कौशल वर्षभर दिखाते रहें। दीप-पर्व पर यह तैयारी मानव सभ्यता की ही नहीं, मानवीयता के विकास की भी गाथा है।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान संस्कृति है। भारत की मिट्टी के कण कण में उत्सवधर्मिता की प्रतिध्वनियां हैं, जिनसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव के स्वर मुखरित होते हैं। सत्य, संयम, अहिंसा और त्याग इन चार स्तम्भों पर हमारी संस्कृति टिकी हुई है। यही हमारे अस्तित्व की आत्मा है। भारतीय सभ्यता मनुष्य को सामाजिक प्राणी मानती है और भारतीय संस्कृति उसको मानव बनने का मार्गदर्शन कराती है। भारतीय संस्कृति आस्थाशील संस्कृति है। हमारी संस्कृति पर अनेक प्रकार के प्रभाव पड़े हैं और आघात भी पहुंचे हैं, परन्तु वे उसके प्रवाह को तोड़ने में सफल नहीं हुए हैं।वर्तमान दौर में चहुँऔर जातीय उन्माद, साम्प्रदायिक तनाव, असामाजिक वातावरण, अनैतिकता, शोषण, हिंसा, दुराचार और अशांति के कारण हमारी युगों पुरानी परम्पराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की विरासत को भारी चोट सहनी पड़ रही है। इस विरासत को कोरोना त्रासदी ने भी खासा नुकसान पहुंचाया है।

भारत कितना भी विपन्न रहा हो लेकिन उसकी समस्त सांस्कृतिक परम्पराएं, धर्मग्रन्थ सभी प्रकाश को ही समर्पित है। दीपक प्रकाश का पर्याय है। मनुष्य ने प्रकाश का यह विकल्प अपने अंदर के प्रकाश की प्रज्ञा से खोजा है। कोई भी शुभ कार्य हमारे यहां बिना दीप प्रज्ज्वलन पूर्ण नहीं होता है। दीपक मनुष्य की प्रकाश चेतना का ही प्रतीक है। दीप हमारा लोक भी है, आत्मलोक भी और परलोक के प्रति प्रकाश की कामना भी। दीप चाहे आंतरिक हो या लौकिक, हमारे जीवन का प्रथम प्रकाश भी वही है। भारतीय परंपरा में तो दीपावली को प्रकाश-पर्व कहा गया है। दीप पर्व, याने प्रकाश की अद्भुत छटा। विजयदशमी के जाते ही दीपावली की दस्तक मन मस्तिष्क में होने लगती है। कोरोना त्रासदी के कारण यह दस्तक कमजोर-सी लगने लगी है। मन में अनिश्चय भरी उदासी घर कर गई है। महामारी जन्य बेरोजगारी ने हमारी उत्सवधर्मी प्रकृति पर ग्रहण लगा दिया है।लगता है हमारे दिलों में अजब-सा सन्नाटा भरा अंधेरा छाया हुआ है। हमारे सामने प्रकाश-पर्व दीपावली उपस्थित होकर सभी तरफ प्रकाश फैलाने की प्रेरणा दे रहा है। अंधकार वेदना है, प्रकाश आनन्द है। तभी कहा गया है - 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' तो कभी 'अप्प दीपो भवः'। दीपपर्व दीपावली केवल धन की चमक-दमक ही नही है, ज्ञान की रोशनी, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द्र के साथ ही पर्यावरण का प्रकाश और रिश्तों की चमक भी हैं। यह सन्देश देता है कि अब हमें संकल्प करना होगा कि कैसा भी विचलन आये, मन की शक्ति को कमजोर नहीं, संकल्पित करना होगा कि मन की एकाग्रता और हृदय की तन्मयता न टूटे, संकल्प करना होगा कि उम्मीद का नन्हा-सा दिया कभी बुझने न पाए। इस दीपावली अपने घर-आंगन के साथ तन-मन-जीवन और जन-जन को भी आलोकित करें। हमारी अस्मिता पर लगे जातीय उन्माद, साम्प्रदायिक तनाव, असामाजिक वातावरण, अनैतिकता, अशांति, हिंसा रूपी ग्रहण से हमारा राष्ट्र और समाज मुक्त हो जाये। हम सबको उजाले बांटकर इस पर्व को सार्थक बनाएं। दुनिया में कुछ ऐसे बुनियादी परिवर्तन हो रहे हैं, जिन्हें समझना मुश्किल है। शायद यह कि सभ्यतागत परिवर्तन तो होंगे, पर जिंदगी वैसी ही रहेगी। उसके सुख-दुःख और संवेदनाएं नहीं बदलेगी। जीवन को समता, समानता, स्वतंत्रता की बुनियादों पर खुद को ही रचना होगा। सदियों से यह परम्परा रही है कि सभ्यता की विकास यात्रा को मनुष्य और प्रकृति के संघर्ष और प्रकृति पर मनुष्य की विजय के रूप में जाना-समझा जाता रहा है। यह गलत सोच थी। मनुष्य ने प्रकृति से कभी संघर्ष नहीं किया, वह प्रकृति से कभी जीता भी नहीं। पर प्रकृति के साथ जब-जब भी मनुष्य ने अलगाव किया, मनुष्य परास्त ही हुआ। प्रकृति से लड़ा नहीं जा सकता। केवल उसके साथ मित्रवत रहकर ही हम अपना अस्तित्व बचा सकते हैं।

हम अपने प्रकाश को फैलाना चाहते हैं तो हमें पहले तपना पड़ेगा। प्रकाश पैदा करने के लिए हमारे भीतर चिंगारी होना चाहिए, यदि नहीं है तो देश व समाज हमें याद नहीं रखेगा।

मनुष्य ही नहीं, प्राणी मात्र को अंधेरा रास नहीं आता। वह प्रकाश के लिए छटपटाता है। गहरी स्याह काली अमावस्या के दिन दीपावली होती है। इस शुभ दिन सब पुरुषार्थ रूपी रोशनी का दीपक जलाकर घर-द्वार, आंगन ही नहीं अपने अंतर्मन में भी उजाला भरें शरीर, मन , बुद्धि का कौशल वर्षभर दिखाते रहें। दीप-पर्व पर यह तैयारी मानव सभ्यता की ही नहीं, मानवीयता के विकास की भी गाथा है।चेतना जब जागृत होगी तो यह भाव प्रकाशित होगा कि स्वयं को प्रकाशित कर लेना काफी नहीं, अपने समाज, अपने देश को प्रकाशित करना होगा। हमारी शक्ति, हमारा सामर्थ्य जब पूरे समाज मे अवतरित होगा तभी सामूहिक जीवन में हम रोशनी भर पाएंगे। राष्ट्र का निर्माण ऐसी ही उद्भासित चेतनाओं से होता है और राष्ट्रों की सामूहिक चेतना ही विकसित होकर विश्व को एक सुखद नीड़ बना देगी ; तभी हम समझ सकेंगे कि विनाश और विकास, संहार और सृजन की निरंतरता और शाश्वतता। अंधेरा जितना घना होता है, उजाले की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। हम सब मिलकर इन संभावनाओं को तलाशें। अपने भीतर दबी-सोई अन्नंत उम्मीदों को जगायें। आइए, इस दिवाली हम उम्मीदों के दिये जलाएं !!!

'अटल प्रणय का प्रतिबिंब : करवाचौथ'

डॉ. रीना रवि मालपानी द्वारा लिखित लघुकथा 'अतल प्रणय का प्रतिबिंब : करवाचौथ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- करवाचौथ की खूबसूरती को आज राधा मन ही मन महसूस करके हर्ष-उल्लास से झूम रही थी। दुनिया के सबसे खूबसूरत रिश्ते की सुंदरता का एहसास राधा को माधव से मिलने के बाद हुआ। सगाई के बाद से ही माधव ने राधा को समझने का प्रयास किया। उसकी कमजोरी, दुःख-दर्द और मनोभाव सबको आत्मसात किया। माधव राधा से मिलने के बाद यह जान चुका था कि उसमे आत्मविश्वास की कमी है इसलिए कभी भी उसने अकेले होने का एहसास नहीं होने दिया। जब राधा शादी के बाद माधव के साथ नौकरी के लिए इंटरव्यू देने गई तब भी माधव खिड़की के बाहर सबकुछ सुन रहा था। उसके डॉक्युमेंट्स अरैंज करने से लेकर तुम सब कुछ कर सकती हो यह सब तो राधा में एक नवीन उत्साह का संचार कर देता था। परिणाम राधा का चयन भी नौकरी के लिए हो गया। जब राधा ने नौकरी की शुरूआत की तब माधव उसके लिए टिफिन पैक करता, समय के अनुसार उसे छोडने और लेने

आता। कई बार नौकरी में भी विवाद हुए। जहाँ पर सही और गलत की भी लड़ाई थी, पर माधव ने उस लड़ाई में भी राधा को निडर होकर असत्य का विरोध करना सिखाया।

एक बार अचानक राधा वॉक करते-करते थोड़ा आगे निकल गई पर अकस्मात मौसम बिगड़ने लगा। राधा की सहेली भी उसके साथ थी, तभी माधव का फोन आया उसको घर लाने के लिए लेकिन उसकी सहेली के पति का कोई फोन नहीं आया। उस क्षण राधा ने माधव के प्यार को महसूस किया। वह सोचने लगी की माधव को पाकर तो वह धन्य हो गई। कहते है छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए, पर माधव तो राधा की हर छोटी-छोटी बात का ख्याल रखता था।

वह आज जीवन जीना क्या होता है माधव से सीख चुकी थी। गर्भावस्था के क्षणों के दौरान जब डॉक्टर ने राधा को बाहरी यात्रा से मना कर दिया और परिवारजन यात्रा पर गए तब माधव हर समय राधा की चिंता करके उसे फोन करता और अपना ख्याल रखने की याद दिलाता। उसकी आवश्यकता पूछता और उसे दूर रहकर भी अपनेपन का एहसास दिलाता।

विवाह के बाद जब कुछ रिश्तेदारों द्वारा उसके खाना बनाने को लेकर मखौल बनाया गया तब भी माधव ने उसका साथ देकर उसके मन को आहात होने से बचाया। बीमार होने पर उसका ध्यान रखने से लेकर उसकी देखरेख में कभी भी राधा को अकेलापन महसूस नहीं होने दिया। हर दिन माधव राधा के दिल में एक नई छाप छोड़ जाता था। आज करवाचौथ का दिन है। राधा विवाह की तस्वीर देखकर सोच रही थी कि अगर माधव जैसा जीवनसाथी सभी बेटियों को मिल जाए तो कभी भी बेटी किसी माँ-बाप के लिए बोझ नहीं होगी और न ही किसी लड़की को संत्रास, घुटन और शोषण के चलते आत्महत्या का मार्ग अपनाना होगा। करवाचौथ केवल एक दिन हमें इस बंधन के महत्व की याद दिलाता है, पर क्यों न छोटे-छोटे क्षणों में हम एक-दूसरे के प्रति समर्पण भाव से इस रिश्ते की खूबसूरती को निशाकर की तरह चमकता हुआ बनाएँ।

बीआरजी ग्रुप स्वच्छता व पर्यावरण पर कर रहा लोगों को जागरूक

-बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के नरेंद्र राम स्वच्छता और दिव्यांक प्रवीण पर्यावरण को लेकर पेश कर रहे मिसाल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- कोरोना महामारी के इस दौर ने हर किसी के जीवन को झकझोर कर रख दिया है। काफी लोग जानकारी के अभाव में पूरी तरह से टूट गये लेकिन बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप ने हर पड़ाव पर लोगों को कोरोना से निपटने के लिए अपने जागरूकता अभियान को जारी रखा। बीआरजी के सदस्यों ने स्वच्छता व पर्यावरण पर अपना अलख जगाये रखा और रनर्स नरेन्द्र राम व दिव्यांक प्रवीण ने तो इस अभियान को नई दिशा देते हुए एक मिशाल ही कायम कर दी। जिसपर स्थानीय लोगों ने ग्रुप के इस कार्य की काफी सराहना की है। बी आर जी ग्रुप स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरुक करता है। साथ में सामाजिक संदेश के प्रति भी फोकस रखता है। इस मुहीम को आगे बढ़ाते हुए बहादुरगढ़ रनरस ग्रुप (बी आर जी) ग्रुप के नरेंद्र राम स्वीट 4 शोप का देश का कप्तान है। यह दुनिया भर में एक बहुत

बड़ा अभियान है। हाथो की स्वच्छता के सामाजिक उद्देश्य को लेकर पिछले 4 साल से 12 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक रनर्स दौड़ते है। हर किमी पूरा करने पर एक साबुन बार दान करते है। लोगो को शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हैं। वही दुसरी तरफ प्रवीण रोजाना पिछले 40 दिनों से 10 किलोमीटर दौड़ रहा है और जहां दौड़ खत्म करता है वहा पर पौधरोपण करने के साथ-साथ लोगों को पर्यावरण व स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करता है। इन दोनो सदस्यों की मुहीम अब रंग ला रही है। आज सूबह 6 बजे प्रवीण ने बी आर जी पॉइंट से अपना 41 दिन की दौड़ 10 किलोमीटर की शुरूआत की जिसमें समूह के सदस्यों ने परवीन का होसला बढ़ाने के लिए साथ में दौड़ लगाई तथा समापन पर त्रिवेणी का पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर विनोद राठी, सुनील नारा ,जगदीश राठी, सतीश देसवाल, मुकेश लोहाच प्रियंका, मिसेज इंडीया 2019 किरण छिल्लर, वेरोनिका , अंजू गुप्ता, गौरव ,कृति, अजय महतो, परवीन सांगवान, दीपक छिल्लर, एन के नारा ,भूमि, कार्तिक, लविश, जगजीत मलिक, दीपक तोमर, दीपक धनखड़, दीपक यादव और अजय धनकड़ ऊपस्थित रहे।

ग्रुप के कोच दीपक छिल्लर ने

दिल्ली नगर निगम चुनावों के लिए दिवाली के बाद आप चलायेगी बड़ा अभियानः गोपाल राय

प्रदुषण व साफ-सफाई को बनायेगे बड़ा मुद्दा- गोपाल राय

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- आम आदमी पार्टी ने रविवार को कहा कि लोग दिल्ली के नगर निगमों में नेतृत्व परिवर्तन चाहते हैं और 2022 के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के लिए वह एक बड़ा अभियान शुरू करेगी।

आप के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पार्टी नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर अपने संगठन को मजबूत करने का भी कार्य करेगी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने पलटवार करते हुए कहा कि आप दावे करने के लिए स्वतंत्र है। भाजपा, दिल्ली में तीनों नगर निगमों--उत्तर, दक्षिण और पूर्वी--में लगातार तीन बार से सत्ता में काबिज है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को कहा कि शहर के सभी पार्षद 25 अक्टूबर को यहां बाराखंभा रोड चौराहे पर एकत्रित होकर वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिएह्यरेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफह्लनामक अभियान के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे। दिल्ली सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कटौती करने के उद्देश्य से 18 अक्टूबर को ह्यह्यरेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफह्लह्ल नामक पहल शुरू की थी। यह अभियान एक महीने के लिए 18 नवंबर तक चलेगा। गोपाल राय ने एक ट्वीट में कहा, ह्यह्यदिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कल, 25 अक्टूबर को ह्यरेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफह्ल अभियान के तहत दिल्ली के माननीय पार्षद बराखम्बा रोड, रेड लाइट पर लोगों को रेड लाइट पर गाड़ी ऑफ रखने के लिए जागरूक एवं अपील करेंगे। इस अभियान के लिए शहर के 100 ट्रैफिक जंक्शनों पर सुबह आठ से दोपहर दो बजे तथा दोपहर दो से रात आठ बजे की दो पालियों में 2,500 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। राय ने यह भी कहा कि पटाखों की अवैध बिक्री और जमाखोरी पर नकेल कसने की रणनीति पर चर्चा के लिए एक अहम बैठक भी सोमवार को होगी।

द सनसिटी रन 2.0 में छाये बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के खिलाड़ी

-दौड़ में बीआरजी ग्रुप के सुखविंदर, संजय कुंडू, जगदीश राठी और दिव्यांशी ने पांच किमी. दौड़ में लहराया परचम

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- शनिवार को सन सिटी स्कूल गुरूग्राम ने सनसिटी रन 2.0 का आयोजन किया जिसमें बीआरजी ग्रुप के खिलाड़ियों ने बढ चढ़कर भाग लिया। बीआरजी के खिलाड़ियों ने दौड़ के सभी वर्गों में अपना परचम लहराकर बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया। स्वास्थ्य व फिटनेस अब कोई चलन नही बल्कि जीवन शैली का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसी विषय पर गुरूग्राम में सनसिटी स्कूल ने सभी वर्गों के लिए 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया जिसमें करीब 500 धावकों ने भाग लिया। सेक्टर 37 गुड़गांव से शुरू हुई पांच किमी लंबी इस दौड़ में बहादुरगढ़ निवासी सुखविंदर अव्वल रहे। उन्होंने 16

मिनट 57 सेकेंड में दौड़ पूरी की। वही बीआरजी ग्रुप के संजय कुंडू ने दूसरा स्थान हासिल किया।

14 वर्ष आयु वर्ग में बीआरजी की धावक दिव्यांशी ने पहला स्थान हासिल किया तथा 50 प्लस ग्रुप में जगदीश राठी ने पहला स्थान हासिल किया। इस तरह तीनों आयु वर्गो में बीआरजी ग्रुप के धावकों ने बाजी मारी। बीआरजी के कोच दीपक छिल्लर ने बताया कि प्रथम स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को सनसिटी स्कूल की ओर से 5000 का इनाम और ट्रॉफी जबकि द्वितीय स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 3000 का ईनाम और ट्रॉफी दी गई। इस प्रतियोगिता में (बीआरजी) ग्रुप के सुशील, नरेंद्र, सतीश, सुखबीर, आदित्य, आयुष ने भी भाग लिया। उन्होने कहा कि बहादुरगढ़ शहर के लिए आज गर्व की बात है कि आज की दौड़ में सभी वर्गों में टाप चार में बीआरजी ग्रुप के धावक रहे।

ऑडी इंडिया ने अपनी रिटेल मौजूदगी का विस्तार किया, नए शोरूम ऑडी दिल्ली वेस्ट का उद्घाटन हुआ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- जर्मन लग्जरी कार निमार्ता कंपनी ऑडी ने आज अपने नए शोरूम ऑडी दिल्ली वेस्ट का उद्घाटन किया। इस अत्याधुनिक शोरूम में ऑडी ई-ट्रॉन सहित भारत में मिलने वाले सभी ऑडी मॉडल की रेंज मिलेंगी।

इस अवसर पर बात करते हुए, ऑडी इंडिया के प्रमुख श्री बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, दिल्ली पश्चिम में अपने विश्व स्तरीय शोरूम का उद्घाटन करके, हम उत्तर भारत के बाजार में अपनी मौजूदगी को मजबूत कर रहे हैं। इस नए शोरूम में ऑडी के डिजिटल रिटेल की सुविधाएं से खरीदारी का सहज अनुभव पेश किया जाता है। ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी तकनीक ग्राहक की उंगलियों पर ही पूरा विजुअलाइजेशन और अनुकूलन पेश करती है। ऑडी दिल्ली वेस्ट शोरूम की कार्यनीतिक जगह इस पूरे क्षेत्र में बड़े ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करेगा और हमें अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए एडवेंचर ऑटो कार इंडिया की अत्यधिक अनुभवी टीम के साथ जुड़कर खुशी हो रही है।

इस उद्घाटन पर चर्चा करते हुए, ऑडी दिल्ली वेस्ट के डीलर प्रिंसिपल श्री विवेक चंद सहगल ने कहा, ऑडी दिल्ली वेस्ट में, हम ग्राहकों को सेल्स और ऑफ्टर-सेल्स सर्विस दोनों में एक मापदंड स्थापित करना चाहते हैं। हमें ऑडी दिल्ली वेस्ट का उद्घाटन करते हुए गर्व हो रहा है और हम चार रिंग्स वाले ब्रांड के ह्यवोर्सप्रंग डर्च टेक्निकह्ल के नारे पर कायम रहेंगे। हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहकों को ऑडी दिल्ली वेस्ट में वाकई शानदार अनुभव होगा। शोरूम ग्राहकों को कारों का शानदार लुक और अनुभव देने के लिए ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) की खूबियों से लैस है। ऑडी दिल्ली वेस्ट में 20 बे और अत्याधुनिक सुविधाओं का इस्तेमाल करने वाली एक एकीकृत सेवा सुविधा भी है। यह सुविधा ऑडी के इलेक्ट्रिक वाहन रेंज की सर्विसिंग करने में भी सक्षम है। ऑडी ग्रुप अपने ब्रांड ऑडी, डुकाटी और लेम्बोर्गिनी के साथ प्रीमियम सेग्मेंट में ऑटोमोबाइल और मोटरसाइकिल के सबसे सफल निमार्ताओं में से एक है। यह दुनियाभर के 100 से अधिक बाजारों में मौजूद है और 12 देशों में 19 स्थानों पर उत्पादन करता है। ऑडी एजी की 100 प्रतिशत सहायक कंपनियों में ऑडी स्पोर्ट जीएमबीएच (नेकारसुलम, जर्मनी), ऑटोमोबिली लेम्बोर्गिनी एस पी ए (संतह्लअगाटा बोलोग्नीज, इटली) और डुकाटी मोटर होल्डिंग एस पी ए (बोलोग्ना/इटली) शामिल हैं।

कांग्रेस से सुलह के बीच बोले कैप्टन अब बातचीत का समय खत्म हुआ

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/पंजाब/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह व कांग्रेस में आ रही सुलह की खबरों का खंडन करते हुए कैप्टन ने साफ किया कि अब वे किसी भी कीमत पर कांग्रेस के साथ नही रहेंगे। अब बातचीत का समय खत्म हो गया है। हालांकि उन्होने कहा कि मैं सोनिया गांधी जी का उनके समर्थन के लिए आभारी हूं लेकिन अब कांग्रेस में नहीं रहूंगा। मैं जल्द ही अपनी पार्टी शुरू करूंगा और किसानों का मुद्दा सुलझने के बाद सीट बंटवारे के लिए भाजपा से बातचीत करूंगा। मैं पंजाब और उसके किसानों के हित में मजबूत सामूहिक ताकत बनाना चाहता हूं। बुधवार को ही कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नई पार्टी के साथ अगले विधानसभा चुनाव में उतरने का एलान किया था। चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद चुनाव चिन्ह के साथ नाम की घोषणा की जाएगी। सिद्धू पर निशाना साधते हुए कैप्टन ने कहा था कि सिद्धू जहां से भी लड़ेंगे, हम उनसे लड़ेंगे। समय आने पर हम सभी 117 सीटों पर

लड़ेंगे। पंजाब कांग्रेस में सब सही नहीं चल रहा है। कैप्टन को अनदेखा कर कांग्रेस हाईकमान ने नवजोत सिद्धू को आगे बढ़ाया था। अब सिद्धू को अनदेखा करते हुए पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए रोडमैप तैयार करने की सारी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को सौंप दी गई है। इसमें चन्नी का उनकी कैबिनेट के मंत्री और प्रदेश के अन्य वरिष्ठ नेता भी सहयोग करेंगे। इस फैसले के साथ ही चन्नी ने कांग्रेस विधायकों से उनके हलकों की स्थिति जानने के लिए वन-टू-वन बैठकें करने का फैसला लिया है। इस फैसले के पीछे की वजह बताई जा रही है कि राहुल गांधी प्रदेश कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू की कारगुजारी से आहत हैं। हाईकमान ने चन्नी को गुरुवार को दिल्ली बुलाया था और उनसे सूबे के ताजा हालातों पर चर्चा की थी। इस मीटिंग के बाद शुक्रवार को उन्हें फिर से दिल्ली तलब किया गया। उनके साथ पार्टी के प्रभारी हरीश चौधरी भी दिल्ली गए हैं। पार्टी के भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी को मिले फीडबैक में यह बताया गया कि नवजोत सिद्धू प्रदेश प्रधान का पद संभालने के बाद अब तक प्रदेश संगठन के गठन की चर्चा तो करते रहे हैं लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

-तपोवन आश्रम में महर्षि दयानंद बलिदान दिवस सम्पन्न

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/देहरादून/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- शनिवार को वैदिक साधन आश्रम, नालापानी, देहरादून में आर्य समाज के संस्थापक, महान समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी महर्षि दयानंद सरस्वती जी का बलिदान दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर 1883 को भिनाय कोठी, अजमेर में उनका बलिदान हुआ था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद समग्र क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने वेदों की पुनर्स्थापना की और सामाजिक कुरुतियों के विरुद्ध जनजागरण किया। समाज में फैले अंधविश्वास, पाखण्ड व कुरीतियों पर सीधा प्रहार किया।

उन्होंने लोगो के सोचने की दिशा ही बदल डाली। महर्षि दयानंद नारी जाति की शिक्षा वेदों के पठन पाठन पर जोर दिया। उनका मानना था कि कोई कितना ही करे परंतु स्वदेशी राज्य सर्वोत्तम है। वैदिक साधन आश्रम तपोवन के मंत्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने कहा कि महर्षि दयानंद के ऋण से हम कभी उऋण नहीं हो सकते। उनका देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा, अनेको क्रांतिकारी उनसे प्रेरणा पाकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। पुरातन भारतीय संस्कृति के उत्थान के लिए गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया। आर्य गायिका प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। प्रमुख रूप से चन्दन सिंह, सत्यपाल आर्य, ओमप्रकाश महेन्द्र, मनीष सहगल आदि उपस्थित थे।

नीरज बवाना गैंग पर झज्जर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

-पुलिस ने नीरज बवाना गिरोह के दो शार्प शूटर बदमाशों को अवैध असलाह के साथ किया गिरफ्तार -पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पांच ऑटोमेटिक पिस्टल सहित 11 हथियार बरामद, सीआईए टू बहादुरगढ़ की टीम ने किया बदमाशों को काबू

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- झज्जर सहित हरियाणा के दूसरे क्षेत्रों में हत्या की अनेक वारदातों को अंजाम देने वाले नीरज बवानिया आपराधिक गिरोह के दो शार्प शूटरों को झज्जर पुलिस की सीआईए टू की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता से कार्रवाई करके गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई है। पकड़े गए बदमाशों से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किये गये है। पकड़े गए बदमाशों से प्रारंभिक पूछताछ में हत्या सहित संगीन किस्म की अनेक अपराधिक वारदातों के संबंध में खुलासा हुआ है। नीरज बवाना अपराधिक गिरोह के पकड़े गए दोनों आरोपियों से झज्जर जिला में अलग-अलग स्थानों पर हुई हत्या की चार अपराधिक वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस अभी भी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

शनिवार को लघु सचिवालय बहादुरगढ़ में स्थित पुलिस अधीक्षक कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक झज्जर श्री राजेश दुग्गल ने गिरफ्त में आए आरोपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रेस वार्ता के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झज्जर श्री विक्रांत भूषण , सहायक पुलिस अधीक्षक बादली श्री अमित यशवर्धन व डीएसपी बहादुरगढ़ पवन कुमार मौजूद रहे।

एसपी श्री दुग्गल ने बताया कि निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में गठित अपराध जांच शाखा द्वितीय बहादुरगढ़ की टीम ने नीरज बवाना अपराधिक गिरोह के दो शार्प शूटर बदमाशो को गिरफ्तार किया है। सीआईए टू बहादुरगढ़ में तैनात सहायक उपनिरीक्षक अमित कुमार, मुख्य सिपाही नीरज कुमार, बलराज सिंह, राकेश कुमार व अन्य की टीम बहादुरगढ़ क्षेत्र में तैनात थी। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए एक स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार दो युवकों को काबू किया। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से मौका पर भारी मात्रा में नाजायज असलाह बरामद हुआ। गिरफ्त में आए बदमाशों की पूछताछ में पहचान मनजीत उर्फ चीता पुत्र सुखबीर निवासी गांव बालन्द जिला रोहतक तथा दीपक उर्फ सोनू उर्फ दादा पुत्र श्री कृष्ण निवासी गांव

मुडलाना जिला सोनीपत हाल न्यू जनता कॉलोनी रोहतक के तौर पर की गई है। गिरफ्त में आए आरोपियों के कब्जे से मौका पर एक स्कॉर्पियो गाड़ी सहित 11 अवैध हथियार बरामद हुए। जिनमें 05 ऑटोमेटिक पिस्टल, 04 देसी कट्टे, एक पाइप गन, एक कार्बाइन तथा 210 जिंदा कारतुस बरामद हुए हैं।

उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आए बदमाशों से प्रारंभिक पूछताछ में हत्या, हत्या का प्रयास, लूटपाट इत्यादि जघन्य किस्म की अनेक आपराधिक वारदातों के संबंध में खुलासा हुआ। पकड़े गए दोनों बदमाश नीरज बवाना गैंग से संबंध रखते हैं। उपरोक्त दोनों बदमाशों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर नवीन उर्फ बाली निवासी सुलतानपुर दिल्ली के कहने पर हत्या की अनेक वारदातों को अंजाम दिया है। दोनों शार्प शूटर बदमाशों ने झज्जर जिला में हत्या की चार वारदातों को अंजाम दिया। गिरफ्त में आये उपरोक्त दोनों बदमाशों से प्रारंभिक पूछताछ में जिन अपराधिक वारदातों के संबंध में खुलासा हुआ है, वह निम्न प्रकार से हैं:-

1. गिरफ्त में आए बदमाश मनजीत उर्फ चीता ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिनांक 09/01/2021 को बेरी सिटी एरिया में विजय पुत्र राधे निवासी बेरी की हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया था। जिस के संबंध में थाना बेरी में मुकदमा नंबर 07 दिनांक 09 जनवरी 2021 को विभिन्न अपराधिक धाराओं के तहत अंकित किया गया था।

2. पकड़े गए उपरोक्त दोनों बदमाशों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिनांक 22-23/04/2021 को रात को गांव गुभाना से बाकरगढ़ रोड पर एक पुलिया पर विनोद पुत्र बलबीर निवासी गांव गोयला की हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया था। उपरोक्त वारदात के संबंध में थाना बादली में मुकदमा नंबर 119 दिनांक 23 अप्रैल 2021 को अंकित किया गया था।

3. गिरफ्त में आए उपरोक्त दोनों बदमाशों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिनांक 30/06/2021 को गांव आसंडा के एरिया मे स्थित एक सर्विस स्टेशन पर सुनिल उर्फ निंदु पुत्र दिवान सिंह निवासी गांव आसौदा की गोलियां मारकर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया था। उपरोक्त वारदात के संबंध में थाना आसौदा में मुकदमा नंबर 239 दिनांक 30 जून 2021 को विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत दर्ज किया गया था।

4. पकड़े गए उपरोक्त दोनों बदमाशों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से दिनांक 20/08/2021 मे सुरेन्द्र उर्फ गुल्लर पुत्र बलजीत निवासी गांव नुना माजरा की गोलियां मारकर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया था।

हत्या के उपरोक्त वारदात के संबंध में विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत थाना सदर बहादुरगढ़ में मुकदमा नंबर 240 दिनांक 20 अगस्त 2021 दर्ज किया गया था।

उन्होंने बताया कि झज्जर जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में घटित उपरोक्त चारो आपराधिक वारदातों के अतिरिक्त पकड़े गए उपरोक्त बदमाशों के खिलाफ अन्य अनेक अपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्त में आए बदमाश मनजीत उर्फ चीता के खिलाफ तीन अपराधिक मामले जिनमें हत्या का एक मामला थाना द्वारका दिल्ली, अवैध हथियार रखने का मामला लोधी कॉलोनी दिल्ली तथा हत्या का एक मामला शिवाजी कॉलोनी रोहतक में दर्ज है। पकड़े गए दूसरे बदमाश दीपक उर्फ सोनू के खिलाफ थाना सदर गोहाना जिला सोनीपत, थाना सिटी सोनीपत, थाना खरखोदा सोनीपत, थाना मतलोढा पानीपत तथा थाना भौपानी जिला फरीदाबाद में अलग-अलग 06 अपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्त में उपरोक्त बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दोनों को अदालत बहादुरगढ़ में पेश किया गया।

जहां से दोनों आरोपियों को 30 जून 2021 को गांव आसंडा के एरिया में सर्विस स्टेशन पर हुई सुनील निवासी आसौदा की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए 04 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपियों से अन्य आपराधिक वारदातों तथा वारदात में शामिल अन्य दोषियों के संबंध में खुलासा होने की संभावना है।

अब स्कूलों में ही होगा बच्चो का ईलाज, स्कूलों में हेल्थ क्लीनिक बनकर तैयार

सरकारी स्कूलों में शुरू किए जाएंगे 15 पॉयलट स्कूल हेल्थ क्लीनिक, इस जिले में बना सबसे अधिक स्कूल हेल्थ क्लीनिक

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर अब दिल्ली के स्कूलों में ही बच्चों का ईलाज किया जायेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर स्कूल हेल्थ क्लीनिक बनाये है। जल्द ही आने वाले समय में स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र यहां पर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा इस स्कूल हेल्थ क्लीनिक में छात्रों के स्वास्थ्य संबंधित सभी रिकार्ड भी मौजूद रहेंगे।

स्कूल हेल्थ क्लीनिक को लेकर शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया है कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 15 स्कूलों का चयन किया गया है. जिसमें नार्थ दिल्ली जिला के छह स्कूल, नार्थ ईस्ट दिल्ली में एक, साउथ वेस्ट - ए में तीन, साउथ वेस्ट - बी में दो, साउथ ईस्ट में दो और वेस्ट - बी में एक स्कूल शामिल है. स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू होने वाले स्कूल हेल्थ क्लिनिक को लेकर सितंबर माह के अंत में चयनित 15 स्कूलों के प्रिंसिपल और नोडल टीचरों के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया जा चुका है। इस कार्यक्रम में इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी दी गई है। वहीं शिक्षा निदेशालय द्वारा चयनित किए गए 15 स्कूलों के कुछ प्रिंसिपल से बात की जहां पर उन्होंने बताया कि स्कूलों में हेल्थ क्लीनिक कब बनकर तैयार हो गए हैं। चिकित्सा सुविधाओं से संबंधित कार्यों को पूरा करने की प्रक्रिया जारी है। इस योजना के तहत अभी फिलहाल स्कूली बच्चों को ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने की तैयारी है। स्कूल हेल्थ क्लीनिक शुरू होने के दिशा निर्देश का अभी स्कूलों को इंतजार है।

वहीं मिली जानकारी के मुताबिक स्कूल हेल्थ क्लीनिक पोटा केबिन में बनाए गए हैं। स्कूल हेल्थ क्लीनिक में बच्चों के सभी प्रकार के स्वास्थ्य के रिकॉर्ड तैयार किए जाएंगे। बता दें पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हो रहे स्कूल हेल्थ क्लीनिक में सबसे ज्यादा नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के स्कूल इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं।

आखिर शमी ही क्यों किये गये ट्रोल, बाकियों ने क्या किया- ओवैसी

सहवाग के बाद भड़के ओवैसी, बोले-निशाना सिर्फ मुस्लिम पर क्यों, क्या भाजपा इसकी निंदा करेगी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मिली पहली हार के बाद सोशल मीडिया पर मोहम्मद शमी को निशाना बनाया जा रहा है। शमी के खिलाफ कई तरह के अपमानजनक कमेंट किए जा रहे है और इतना ही नही उनको पाकिस्तानी तक बताया जा रहा है। हालांकि इस हार की जिम्मेदारी अकेले शमी की नही है फिर भी सोशल मीडिया पर इस तरह के कार्यवाही के चलते अब कुछ पूर्व खिलाड़ी भी मोहम्मद शमी के बचाव में उतर आये हैं। वही टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी सोशल मीडिया पर शमी के खिलाफ किये जा रहे कमेंट पर भड़क गए हैं। उनका कहना है कि टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं तो निशाना सिर्फ मुस्लिम पर ही क्यों? क्या इसके

लिए भाजपा आगे आकर इसकी निंदा करेगी?

टी-20 विश्व कप 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजों के साथ टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा।

दिल्ली में डेंगू का कहर, मामले हुए 1000 के पार

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली में डेंगू का कहर बढ़ता ही जा रहा है और स्थिति खतरनाक होती जा रही है। हालांकि दिल्ली सरकार राजधानी में साफ-सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है फिर भी पिछले एक सप्ताह में दिल्ली में डेंगू के 283 नये मामले सामने आये है। जबकि कुल आंकड़ा 1000 से अधिक का हो गया है। राजधानी में पिछले दो हफ्तों में मच्छर जनित बीमारी के मामले काफी तेजी से बढें हैं और दिल्ली में इसके कारण 18 अक्टूबर को पहली मौत भी दर्ज की गई थी।

डेंगू से मरने वाली महिला की पहचान 35 वर्षीय ममता कश्यप के रूप में हुई थी, जो दक्षिणी दिल्ली के सरिता विहार की रहने वाली थी। सितंबर के अंत में एक निजी अस्पताल में उसकी डेंगू से मौत हो गई थी। वहीं नजफगढ़ में भी जानकी अस्पताल में डेंगू से एक बच्चे की मौत होने का मामला सामने आया है।

सोमवार को जारी मच्छर जनित बीमारियों पर सिविक रिपोर्ट के अनुसार, इस सीजन में 23 अक्टूबर तक डेंगू से एक मौत और कुल 1,006 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं, जो कि इसी अवधि के लिए 2018 के बाद से सबसे अधिक मामले हैं। इस साल 16 अक्टूबर तक कुल मामलों की संख्या 723 थी, इसलिए, एक सप्ताह में 283 नए मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 1 जनवरी 16 अक्टूबर की अवधि के दौरान दर्ज किए गए डेंगू के मामलों की संख्या साल 2020 में 489, साल 2019 में 833 और साल 2018 में 1,310 थी।

दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़ों का रिकॉर्ड रखने वाली नोडल एजेंसी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (ैडब) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में पूरे वर्ष में कुल 1,072 मामले और एक मौत दर्ज की गई थी। एसडीएमसी द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2020 से पहले के वर्षों में डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या साल 2019 में 2, साल 2018 में 4, साल 2017 में 10 और साल 2016 में 10 दर्ज की गई थी।

बेदखली सूचना

मैं सतीश कुमार पुत्र लेट श्री जय सिंह मकान नंबर 213 214 डबल स्टोरी तिलक नगर नई दिल्ली 18 अपने पुत्र आशीष व पुत्रवधू कोमल को गलत संगत में पड़ने के कारण उनसे संबंध विच्छेद करता हूं वह अपनी सभी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य मे दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे

आओ करें, सद्बुद्धि प्रदान करने वाले लक्ष्मी नारायण का स्वागत इस दीपावली

-कमल के सिंहासन पर समुद्र मंथन से प्रकट माँ लक्ष्मी के पाएँ अद्भुत दर्शन -हनुमान गेट से प्रवेश कर पाएँ मंदिर के आध्यात्मिक वातावरण का आनंद -दीपावली के दिन दीपदान कर दूर करें जीवन का अँधेरा

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- धन, सौंदर्य और ऐश्वर्य से मिलने वाले सामाजिक सम्मान की कामना हर कोई चाहता है, तो लीजिए ये सब सामूहिक रूप से प्रदान करने वाले त्योहारों की श्रृंखला का उत्सव इस कार्तिक मास में आपके प्रवेश द्वार पर आ पहुँचा है। आगामी सप्ताह में मंगलवार को शुभ धनतेरस से आरंभ होकर दीपावली का त्योहार आपके जीवन में वैभव और समृद्धि लेकर आने के लिए तैयार है। बाँहे फैलाकर, चेहरे पर मधुर मुसकान लिए आइए इसका जोर-शोर से स्वागत करें। इसके लिए आपने जहाँ अपने घरों को साफ-सफाई कर सजाया है, वहीं मंदिरों की रौनक भी देखने लायक है। श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश इस्कॉन मंदिर द्वारका की साज-सज्जा भी नया और अनूठा रूप लिए है। 14 वर्षों के वनवास के बाद भगवान राम और सीता माता व लक्ष्मण सहित अयोध्या वापसी का चित्रण पुष्पक विमान के रूप में सजा है। बादलों को चीरते हुए इस विमान के पास आप एक “सेल्फी” ले सकें,

इसकी भी व्यवस्था की गई है। भगवान राम के भक्त हनुमान की भक्ति का जीता-जागता चित्रण भी आपको यहाँ बखूबी देखने को मिलेगा, जब आप 14 फीट ऊँचे आकर्षक “हनुमान गेट” से मंदिर जी में प्रवेश करेंगे। फिर आप भगवान के दर्शनों का लाभ ले सकेंगे। भक्ति के अपार सागर में गोते लगाते जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, भाग्य की देवी माँ लक्ष्मी की क्षीरसागर से बाहर निकलते हुए अनुपम रूप-सौंदर्य की छटा देखने को मिलेगी। अमृत कलशों से धन बरसाती देवी साक्षात ऐसा आभास देंगी, जैसे बस वे आपके जीवन में खुशियाँ बरसाने के लिए ही प्रकट हुई हैं। यही नहीं, संगमरमर से बने चार फीट ऊँचे कमल के सिंहासन पर विराजमान बिजली की भाँति चमकती उनकी कांति आपको बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर लेगी। इस “सेल्फी प्वाइंट” पर आप यहाँ सेल्फी खींच कर आनंद की अनुभूति कर सकेंगे। इसके अलावा बच्चे तीरंदाजी और पहिया घुमाओ जैसे करतबों का आनंद ले सकेंगे। जैसा कि आप जानते हैं कि कार्तिक माह में दीपदान का अत्यधिक महत्व है। ऐसे में अगर आप अब तक इस शुभ घड़ी का लाभ नहीं उठा पाएँ हैं, तो दीपावली के दिन शाम को आप यहाँ दीपदान कर स्वयं को श्री हरि के चरणों में समर्पित कर सकते हैं। आकर्षक दीपों की जगमगाती रोशनी जैसे-जैसे प्रज्वलित होगी, वैसे-वैसे आपके जीवन का अँधेरा भी अमावस्या की काली रात की तरह छटता जाएगा और उसमें खुशियों का संचार होगा। “हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे” कृष्ण महामंत्र जाप एवं दामोदर अष्टकम् पाठ के बाद प्रसादम ग्रहण कर उत्सव का आनंद उठाएँ और अपने मन के भीतर भगवान के प्रेम का दीपक जलाएँ, तभी दीयों की रोशनी, रंगोली की सजावट, कपड़ों की खुशी और मिठाइयों की चाहत सब कुछ सार्थक है।

धनतेरस अथवा धन त्रयोदशी

कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इसे धन त्रयोदशी या धनवन्तरी त्रयोदशी भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक धन त्रयोदशी के दिन भगवान कृष्ण के दिव्य अंशावतार, भगवान धनवन्तरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, जिसे पाने के लिए सुर और असुर दोनों लालायित थे पर अंततः अमृत देवताओं को ही मिला। कार्तिक मास की त्रयोदशी के दिन अच्छी सेहत व निरोगी काया की कामना हेतु भगवान धनवन्तरी की पूजा की जाती है, जो अमृत और औषधि के देवता हैं। इसी दिन का महत्व इसलिए भी है कि समुद्र मंथन के दौरान लक्ष्मी देवी प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को अपना स्वामी चुना। भगवान विष्णु ने उन्हें सदा-सदा के लिए अपने वक्षस्थल पर रहने का स्थान दे दिया। लक्ष्मी तथा नारायण का यह मिलन देवताओं और सामान्यजनों के लिए अत्यंत प्रिय था। धनतेरस के दिन हमें भी वैसी ही खुशी का अनुभव करना चाहिए और हमेशा प्रसन्न रहने के लिए माँ लक्ष्मी और भगवान विष्णु की आराधना करनी चाहिए।

दीवाली के दिन रची गई थी दामोदर लीला

भगवान कृष्ण की अनेक लीलाओं में सर्वाधिक चर्चित लीला कार्तिक मास में दीवाली के दिन हुई “दामोदर लीला” मानी जाती है। इस दिन माँ यशोदा जब सुबह-सुबह माखन बनाकर उसे प्रेम से अपने लाला (कृष्ण) के लिए मटकियों में सहेज कर रख रही थीं, उसी दौरान बाल गोपाल कृष्ण की नींद खुली और वे दबे पाँव वहाँ आकर मटकियाँ फोड़-फोड़कर माखन चुराकर बंदरों को खिलाने लगे। जब माँ ने यह देखा तो क्रोधित होकर वह माखनचोर को पकड़ने के लिए उसके पीछे छड़ी लेकर भागी और दाम यानी रस्सी से बाँधने का प्रयास करने लगी। बहुत देर तक जब माँ सफल नहीं हुईं तो माँ का वात्सल्य प्रेम पाने के लिए बाल कृष्ण स्वयं उनके प्रेम से बँध गए। उन्हीं बाल गोपाल की स्तुति करने के लिए दामोदर अष्टकम् का पाठ किया जाता है। दीवाली के दिन भगवान कृष्ण की इसी दामोदर लीला को याद कर उनका गुणगान किया जाता है और उन्हें दीपदान कर अपनी भक्ति प्रकट की जाती है।

फेस्टिवल ऑफ इंडिया ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने निखारी अपनी प्रतिभा

आधारशिला दी फाउंडेशन द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- रविवार को आधारशिला दी फाउंडेशन द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अबकी बार इस प्रतियोगिता का विषय था फेस्टिवल ऑफ इंडिया। विद्यार्थियों ने फेस्टिवल ऑफ इंडिया ड्राइंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर-के अपनी प्रतिभा को निखारा।

आधारशिला दी फाउंडेशन की चेयरमैन और विजया सीनियर सेकेंडरी स्कूल बहादुरगढ़ की प्रधानाचार्य श्रीमती रूपाक्षी नारंग ने बताया की आधारशिला दी फाउंडेशन एक ऐसा मंच है जो घर बैठे बच्चों को अपने हुनर एवं प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया इस मंच को 29 मार्च 2021 को स्थापित किया गया था, जिसमें हर माह के अंतिम

रविवार को किसी ना किसी विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसलिए अब की बार इस रविवार को बच्चो के लिए फेस्टिवल ऑफ इंडिया ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को अपने देश के त्योहारों को जानने का मौका मिलता है। इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है। चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपनी सोच के अनुरूप चित्र उकेरते हैं इससे बच्चों की मानसिक विकास होता है।

यह प्रतियोगिता दो ग्रुप में की गयी थी। जूनियर ग्रुप कक्षा छह से आठवीं तक एवं सीनियर ग्रुप में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के बच्चे शामिल हुए। चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप और सीनियर ग्रुप को फेस्टिवल ऑफ इंडिया विषय दिया गया था । डेढ़ घंटे तक चले इस प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी में जूनियर ग्रुप में निशू ने प्रथम, हर्षित द्वितीय एवं अर्चना को तृतीय पुरस्कार व चेतना ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। वही सीनियर सेक्शन में प्रथा ने प्रथम, प्रिंस ने द्वितीय, देव ने तृतीय और प्रिंसी और अंजलि ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता की न्यायकर्ता शिक्षक अर्चना पवार थी। प्रतियोगिता में कुल 40 बच्चों ने भाग लिया। सभी छात्रों को संचालिका महोदय ने पुरस्कार दिया। संचालिका महोदया ने शुभकामनाओं एवं विद्यार्थियों के

सूर्या रोशनी के नये एमडी होंगे विनय सूर्या, राजू बिस्टा भी रहेंगे एमडी

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/बहादुरगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- विनय सूर्या सूर्या रोशनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बनाये गये हैं । विनय सूर्या इस बड़ी जिम्मेदारी को राजू बिस्टा के साथ संभालेंगे जो 2012 में सूर्या रोशनी के मैनेजिंग डायरेक्टर का पदभार संभाल रखा है।

विनय सूर्या की मैनेजिंग डायरेक्टर पद पर नियुक्ति की घोषणा सूर्या रोशनी के चेयरमैन जेपी अग्रवाल ने की। सूर्या रोशनी लिमिटेड जो भारत की सबसे बड़ी स्टील पाइप कंपनी और लाइटिंग एवं कन्जूमर ड्यूरेबल प्रोडक्ट के बड़े निमार्ता है। सूर्या रोशनी लिमिटेड ने विनय सूर्या को 26 अक्टूबर 2021 को मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है जो अभी तक होल टाइम डायरेक्टर थे । विनय सूर्या ने स्वीनवर्न यूनिवर्सिटी ऑस्टेलिया से एमबीए किया है तथा कंपनी के विजन एवं स्ट्रेटेजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । वे अपने लांग टर्म विजन, कड़ी मेहनत और कार्य मेहनत और कार्य के प्रति सम्पूर्ण समर्पण के कारण वे वैश्विक स्तर पर सूर्या पाइप्स के निर्यात को शुरू करने में सक्षम रहे। नियुक्ति की घोषणा करते हुये श्री जेपी अग्रवल चेयरमैन सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा मुझे श्री विनय सूर्या का मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में स्वागत करते हुये खुशी हो रही है और वह राजू विस्टा के साथ संयुक्त जिम्मेदारी साझा करेंगे, जो 2012 से कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं । विनय सूर्या के पास एक असाधारण नेतृत्व ट्रैक रिकार्ड मजबूत मार्केटिंग एक्सपोजर गहरी रणनीतिक विशेषता और लंबे समय तक ग्राहक संबंध बनाने की आदित्य क्षमता है। वे सूर्या रोशनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये राजू बिस्टा के साथ मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर विनय सूर्या ने कहा मुझे यह जिम्मेदारी देने के लिये मैं अपने चेयरमैन और बोर्ड का आभारी हूँ । हम बदलते मैको वातावरण में सूर्या को मजबूत एक्टिव एवं जीवंत बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे । हमारे पास उद्योग जगत के सर्वश्रेष्ठ प्रोफेशनल्स की एक समर्पित टीम है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसके द्वारा हम साथ मिलकर आसमान की ऊंचाइयों को प्राप्त कर पायेंगे। सूर्या ने इस कोरोना काल में आगे बढकर बहुत सारे जरूरतमंदों की सहायता करने का प्रयास किया है और आगे भी और बेहतर तरीके से आम लोगों की मदद करने का प्रयास करते रहेंगे । हम अपना पूरा ध्यान सूर्या के न्यू विजन पर केन्द्रित कर रहे हैं।

बच्चों में खुशियां बिखेरती डॉ. गुनीता सिंह डायरेक्टर डेंटेम द्वारा आयोजित दिवाली स्पेशल ग्रेटीट्यूड सीरीज

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- दीवाली उम्मीदों का प्रतीक है, यह त्योहार घर में खुशियां लेकर आता है। लेकिन इस दीवाली, खुशियों का पैमाना वो नहीं है जो महामारी से पहले था। पहले जैसी बहुत सी चीजें आज हमारे बीच नहीं हैं, महामारी में हम बहुत से लोगों को खो चुके हैं। तो इस त्योहार को खास एवं खुशियों से भरपूर बनाने के लिए डॉ गुनीता सिंह, बीडीएस, एमडी डेंटल लेजर्स, डायरेक्टर, डेंटेम एवं एसोसिएट कन्सलटेन्ट सर गंगा राम अस्पताल ने इस दीवाली एक खास ग्रेटीट्यूड सीरीज की योजना बनाई है। नई दिल्ली के वसंत विहार के पास कुली कैंप से शुरू हुआ और आज चौथे दिन नेहरू कैंप में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां लगभग 80 बच्चों ने फिर से ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लिया। और अब कल पुरस्कार वितरण होगा। खुशी बांटने से खुशी बढ़ती है” इसी सोच के साथ डॉ

गुनीता सिंह ने अपनी टीम एवं दोस्तों के साथ मिलकर दीवाली से 7 दिन पहले इस सीरीज की शुरूआत की। इसके तहत शुक्रवार को बच्चों के लिए पहली चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके बाद पुरस्कार भी दिए गए। पहले दो दिन के कार्यक्रम के दौरान बच्चों को नाश्ता भी दिया गया, साथ ही कैम्प में मौजूद सभी बच्चों को पार्टीसिपेशन सर्टिफिकेट एवं दीवाली के उपहार भी दिए गए।

इस अवसर पर 9 विजेताओं को विशेष उपहार भी दिए जाएंगे। सीरीज के बारे में बात करते हुए डॉ गुनीता ने कहा, “मैं अपने आस-पास मौजूद हर व्यक्ति तक खुशियां पहुंचाना चाहती हूं, खासतौर पर जरूरतमंद बच्चों में खुशियां बांटना चाहती हूं। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं ऐसा किस तरह करूं। तभी मेरी दोस्त प्रियंका सिंह ने मुझे इसके लिए रास्ता दिखाया।

वे वसंत विहार से ही है और वंचित समुदायों के बच्चों के लिए काम करती हैं। इस दीवाली हमने वास्तव में इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनमें खुशियां बिखेरने की यह छोटी सी पहल की है। 30 अक्टूबर को हमने विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र भी दिए। हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान देखकर मेरा दिन बन गया। मैं बेहद संतुष्ट और खुश महसूस कर रही हूं।

इस बार दीवाली पर स्वदेशी सामान अपनाएं: नवीन गोयल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/गुरूग्राम/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/सिद्धार्थ राव/- कैनविन फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने सोमवार को सेक्टर-54/55 स्थित स्मृति वाटिका में लाफ्टर क्लब पहुंचकर क्लब की पत्रिका का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों का हंसी-खुशी जीवन बिताने के लिए प्रयासरत सदस्यों के कार्य की सराहना की।

नवीन गोयल ने कहा कि आज के समय में किसी को हंसाना भी बहुत बड़ा काम है। लोगों के जीवन में इतना तनाव आ चुका है कि वे अपनी हंसी-खुशी भूलते जा रहे हैं। ऐसे में लाफ्टर क्लब का यह प्रयास अनुकरणीय है। उन्होंने यहां पत्रिका का विमोचन करने के बाद सभी बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हुए उन्हें दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा को सेफ दीवाली, ग्रीन दीवाली मनानी है। गोबर-मिट्टी से बने दीये जलाकर अपनी संस्कृति और संस्कारों से भावी पीढि?ों को रूबरू कराना है। लोकल चीजों का भी अधिक से अधिक उपयोग करें। स्थानीय दुकानदारों, पटरियों पर सामान बेचने वालों से सामान खरीदकर उनके घर भी दीवाली मनवाएं। श्री गोयल ने कहा कि हमें समाज में एकता और भाईचारे की भावना को स्थापित करना है। हर व्यक्ति एक-दूसरे के सुख-दुख में काम आए। उन्हें खुशी है कि इस तरह के प्रयास लाफ्टर क्लब कर रहा है। यहां बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी लाकर क्लब अपने नाम को साकार कर रहा है।

लाफ्टर क्लब के चेयरमैन आनंद तायल ने इस अवसर पर दीवाली के दिन एक दीया शहीदों के नाम जलाने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि हमारे तीज-त्योहार अच्छे से मनें, इसके लिए हमारे सैनिक प्रहरी बनकर सीमाओं पर तैनात रहते हैं। जो शहीद हो गए हैं, उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। आनंद तायल के मुताबिक लाफ्टर क्लब की शुरूआत वर्ष 2012 में इसी सोच के साथ की गई थी कि वरिष्ठ नागरिक घरों में अकेलापन महसूस ना करें। वे उदासीन ना रहें। उदासीनता ही तनाव का बड़ा कारण बनती है। हर महीने की पहली तारीख को यहां लाफ्टर पत्रिका का विमोचन किया जाता है। अलग-अलग सदस्य यहां लाफ्टर कराते हैं। लाफ्टर क्लब में को-फाउंडर ओपी गुप्ता, सविता तायल, सुजाता गुप्ता, प्रेम अरोड़ा, मंगतराम अरोड़ा, एमएम स्कूल के प्रबंधक मनोज गुप्ता, केके वर्मा, राकेश सूरी आदि ने यहां नवीन गोयल का स्वागत किया।

नजफगढ़ में करीब 100 मकान गिरने के कगार पर, नाले ने खोली सरकार के विकास की पोल

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- नजफगढ़ की 90 प्रतिशत जल निकासी की रीढ़ यानी नजफगढ़ नाले का निर्माण पिछले 4 साल से अधूरा पड़ा है। अब हालात यह हो गये है कि इस अधुरे नाले के कारण रोशन गार्डन के करीब 100 मकान गिरने के कगार पर है और प्रशासन व विधायक बेपरवाह बने हुए है। वहीं नजफगढ़ निगम जोन चेयरमैन सत्यपाल मलिक ने पत्रकारों के साथ मौके पर पंहुचकर लोगों का दर्द सुना और सरकार से इस समस्या पर ध्यान देने की अपील की। हालांकि अभी तक दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत नजफगढ़ में जलभराव को लेकर बड़े-बड़े वादे करते नजर आये है लेकिन आज तक उन्होने पिछले 4 साल से समस्या की जड़ बने इस अधुरे नाले के निरिक्षण तक की जहमत नही उठाई। लोग बार-बार अपनी समस्या बताते रहे और मंत्री जी बार-बार विकास के दावे करते रहे। लेकिन लोगों की समस्या जस की तस बनी रही और नजफगढ़ जलभराव से डूबता रहा।

नजफगढ़ वासियों को जलभराव से मुक्ति दिलाने के बड़े-बड़े दावे करने वाली दिल्ली सरकार की आखिर अधूरे नाले के निर्माण ने पोल खोलकर रख दी है पिछले 4 साल से नजफगढ़ नाले का निर्माण कार्य रुक रुक कर चल रहा है वही रोशन गार्डन में करीब 500 मीटर तक नाले का निर्माण बंद पड़ा होने से हालात इतने खराब हो गए है कि नाले के साथ बने मकानों के गिरने का खतरा भी मंडराने लगा है। इतना ही नहीं मकानों तक आने जाने का रास्ता भी पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बच्चे व बुजुर्ग नाले में गिर रहे हैं, लोग घरों में कैद हैं, मच्छर मक्खियों ने लोगों का जीना हराम कर रखा है तथा डेंगू व मलेरिया लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है फिर भी आप विधायक वह 6 विभागों के मंत्री कैलाश गहलोत नजफगढ़ में विकास के दावे करते नहीं थक रहे है। बरसात के मौसम में नजफगढ़ शहर में जलभराव की समस्या किसी से छिपी नहीं है और लोग चींख-चींख कर अपनी परेशानी बयान करते रहे हैं।

गाय के गोबर से बना दीया करेगा घर-आंगन रोशन

सनराइज ऑर्गेनिक पार्क में रोजाना बन रहे हैं 5 हजार दीपक, लगातार बढ़ रही है इको- फ्रेंडली दीपकों की मांग

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/जयपुर/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/ गोबर के दीए से इस बार घर-आंगन रोशन करने की तैयारी है। पर्यावरण संरक्षण और महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार मुहैया कराने की दिशा में गोबर से बने दीए को अहम माना जा रहा है। रंग-बिरंगे गोबर के ये दीए पहली बार बाजार में आए हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित बीकानेर, भीलवाड़ा, श्रीडूंगरगढ़ शहरों की विभिन्न गोशालाओं में गाय के गोबर से दीपक बनाने का कार्य तेजी से हो रही है। जयपुर में श्री पिंजरापोल गोशाला स्थित सनराइज ऑर्गेनिक पार्क में गाय के गोबर से दीपक बनाने के लिए हैनिमैन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी से जुड़ी महिलाओं ने इस दिशा में अभिनव पहल की है। कुछ समय पहले तक यहां पर दर्जनों महिलाएं ऑर्गेनिक पार्क की औषधीय खेती करती थीं। इन्हीं महिलाओं ने गाय के गोबर को अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत करने का जरिया बना लिया है। ये महिलाएं आकर्षक दीए बनाने के साथ-साथ लक्ष्मी जी व गणेश जी की मूर्ति सहित कई तरह की कलात्मक चीजें भी बना रही हैं। इको फ्रेंडली होने के चलते राज्य के अन्य शहरों और अन्य राज्यों से भी इसकी मांग आ रही है। इसके अलावा यहां महिलाएं बचे हुए गोबर चूर्ण और पत्तियों से ऑर्गेनिक खाद (वर्मी कम्पोस्ट) भी बना रही हैं।

ऐसे बनाये जा रहे है दीपक- दीपक बनाने के लिए पहले गाय के गोबर को इक-ा किया जाता है। उसके बाद करीब ढाई किलो गोबर के पाउडर में एक किलो प्रीमिक्स व गोंद मिलाते हैं। गीली मिट्टी की तरह छानने के बाद इसे हाथ से उसको गूंथा जाता है। शुद्धि के लिए इनमें जटा मासी, पीली सरसों, विशेष वृक्ष की छाल, एलोवेरा, मेथी के बीज, इमली के बीज आदि को मिलाया जाता है। इसमें 40 प्रतिशत ताजा गोबर और 60 प्रतिशत सूखा गोबर इस्तेमाल किया जाता है। इसके बाद गाय के गोबर के दीपक का खूबसूरत आकार दिया जाता है। एक मिनट में चार दीये तैयार हो जाते हैं। इसे दो दिनों तक धूप में सुखाने के बाद अलग-अलग रंगों से सजाया जाता है। प्रतिदिन 20 महिलाएं 5000 हजार दीपक बना रही हैं। इन प्रत्येक महिला को प्रतिदिन 350 रुपए मिल रहे हैं। हैनिमैन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी की अध्यक्ष मोनिका गुप्ता ने बताया कि शास्त्रों के मुताबिक गौमाता के गोबर में लक्ष्मी जी का वास है। इसलिए हमारा लक्ष्य 25000 दीये बनाने का है ताकि लोग गाय के गोबर के महत्व को जानें। उन्होंने बताया कि अब तक जयपुर सहित तेलंगाना, गुजरात, दिल्ली व हरियाणा से गाय के गोबर से निर्मित दीयों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। होलसेल में 250 रुपए प्रति सैंकड़ा के हिसाब से दीपक बिक रहे हैं। डिमांड के अनुसार आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इतना नहीं इसके साथ-साथ गणेश और लक्ष्मी माता की मूर्ति भी इको फ्रेंडली बनाई जा रही है।

दीये के अपशेष भी बेहद उपयोगी- सनराइज ऑर्गेनिक पार्क के संचालक डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि इस दीपक के जलने से घर में हवन की खुशबू महकेगी। जिससे घर के वातावरण को पटाखों की गैस को कम करने में सहायक होगी। दीये को दीपावली में उपयोग करने के बाद जैविक खाद बनाने उपयोग में लाया जा सकता है। दीये के अवशेष को गमला या कीचन गार्डन में भी उपयोग किया जा सकता है। इस तरह मिट्टी के दीये बनाने और पकाने में पर्यावरण को होने वाले नुकसान के स्थान पर गोबर को दीए को इको फ्रेंडली माना जाता है।

उन्होंने सनातन धर्मियों से गाय के गोबर से बने दीपक जलाने का आह्वान किया है।

त्योहार हमारा, लेकिन सामान चायनीज- सनराइज एग्रीलैंड डवलपमेंट एंड रिसर्च प्रा.लि. की मार्केटिंग हैड संगीता गौड़ ने बताया कि चीन किस तरह मार्केट को पकड़ता है इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि चीन जिन त्योहारों को मानता ही नहीं है वह उसे मनाने के लिए सामान बनाता है। होली चीन में नहीं खेली जाती लेकिन उसकी पिचकारी चीन से बनकर आती है। चीन दीपावली नहीं मनाता लेकिन हमारे घरों को रोशन करने वाली लाइटें चीन से बनकर आती हैं। लेकिन अब यह तस्वीर बदल रही है। भारत ने यह ठान लिया है कि जब पर्व भारतीय हैं तो उसकी कमाई कोई और क्यों ले जाए। कुछ इसी तर्ज पर सैकड़ों महिलाओं ने इस बार दीपावली पर जलने वाले दीपक चायनीज नहीं बल्कि गाय के गोबर से बनाकर आमजन को उपलब्ध कराने का जिम्मा संभाला है।

पहला कदम फाउंडेशन ने बच्चों को स्टेशनरी बांटी, शिक्षा हम सबके लिए जरूरी : सुभाष ढिगाना

जींद

पहला कदम फाउंडेशन ने आज मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय सफीदों में स्कूल के सभी बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, इरेजर, प्रत्येक कक्षा के लिए पांच स्मार्ट बोर्ड, 150 मास्क स्कूल को दिए। स्कूल में बच्चों के सभी अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था। पहला कदम फाउंडेशन के स्टेट प्रेजिडेंट नेशनल यूथ अवार्डी सुभाष ढिगाना बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की।उन्होंने सभी अभिभावकों, शिक्षकों, बच्चों को अपने संबोधन में बताया कि शिक्षा हम सबके लिए जरूरी है। आज के बच्चे ही देश के कल का भविष्य है। इसलिए बच्चों को अपने शिक्षा धर्म का पालन करते हुए अपने माता-पिता, गुरुजनों कि बातों का अनुसरण करना जरूरी बन जाता है। आज बच्चों के व्यवहार में बहुत बदलाव आ चुका है, इसलिए माता-पिता और गुरुजनों की अधिक जिम्मेदारी बढ़ जाती है। फाउंडेशन के संस्थापक रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि जीवन में स्वस्थ रहना है तो अपने आसपास सफाई करना बहुत जरूरी है। इसी उद्देश्य को लेकर पहला कदम फाउंडेशन ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने और बीमारियों से किस प्रकार से बचा जा सकता है को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने शहर के लोगों से आह्वान किया कि सफाई अभियान में बढ़चढ़ कर भाग लें। राजेश वशिष्ठ ने समाज के जागरूक नागरिकों से कहा कि वे अगर वे अपने बच्चों में बचपन से ही ऐसी आदत डालना शुरू कर दे तो आने वाला कल बडा की सुंदर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पहला कदम फाउंडेशन समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम करते रहते है जो सराहनीय कदम हैं। इस प्रकार के समाज सेवा कार्यों से हर व्यक्ति की अपने कर्तव्यों के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है और वे स्वयं करके सीखते हैं। पहला कदम फाउंडेशन के जिला उप प्रधान विक्रम मलिक ने बताया कि आज पॉलीथिन के अंधाधुंध प्रयोग से पर्यावरण दूषित हो रहा है और यही पॉलीथिन पशुओं द्वारा खाया भी जा रहा है। आज जरूरत है हम सभी को इस मुहीम का हिस्सा बन कर स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं। स्कूल मुखिया विजेंद्र समय-कदम फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। सविता, रमलेश, वजीर सिंह, देवेंद्र, नवीन, बिजेंद्र आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा दिवस के अवसर पर राइट डायरेक्शन ओवरसीज द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर

लाडवा

लाडवा की शिवाला रामकुण्डी में राइट डायरेक्शन ओवरसीज एजुकेशन सेंटर की ओर से एक हरियाणा दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 70 युवाओं ने रक्तदान किया। रक्तदान का शुभारंभ लाडवा थाना प्रभारी सतीश कुमार द्वारा रक्तदाताओं को बैच लगाकर, प्रमाण पत्र व मेडल पहनाकर किया गया। शिविर में करनाल के सरकारी अस्पताल की टीम ने आकर रक्त एकत्रित किया। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि हम सभी को रक्तदान अवश्य समय-समय पर करते रहना चाहिए। जिससे न केवल

दूसरों की जान बचाई जा सकती है। बल्कि हमारा शरीर अनेक प्रकार की बीमारियों से भी बच सकता है। वहीं राइट डायरेक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय मित्तल ने कहा कि हर व्यक्ति के एक बार रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि हमें बिल्कुल भी नहीं घबराना चाहिए और रक्तदान करने के लिए जहां कहीं भी किसी को उसकी जरूरत हो उसकी जरूरत को पूरा करने के लिए वहां जाना चाहिए और या अपने आसपास कहीं भी रक्तदान शिविर लग रहा हो तो उसमें जाकर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे पूर्व थाना प्रभारी व अन्य गणमान्य व्यक्तियों का फुल गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

aap
AAM AADMI PARTY

आप सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस
दीपावली
भैया दूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

मास्टर मनजीत सिंह श्रीमती राजेश

जे.जे.पी पार्टी जिन्दाबाद

चौ० देवी लाल अमर रहें

आप सभी क्षेत्रवासियों को
धनतेरस
दीपावली
भैया दूज व छठ पूजा
की हार्दिक शुभकामनाएं

ओमप्रकाश शहरावत
अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश (जे.जे.पी)

शिक्षा निदेशालय हुआ सख्त, मांगे निजी स्कूलों से दाखिले के रिकॉर्ड

-ईडब्ल्यूएस व जनरल कोटे की मांगी जानकारी, निजी स्कूलों ने अभी तक नही कि है एंट्री लेवल क्लास के एडमिशन की अपडेट

नजफगढ़ मैट्रो न्यूज/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/भावना शर्मा/- दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त रूख अपनाते हुए निजी स्कूलों से पिछले तीन साल का एंट्री लेवल क्लास में ईडब्ल्यूएस और जनरल कोटे के तहत होने वाले दाखिले की जानकारी मांगी है। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय ने सर्कुलर जारी कर दिया है। सर्कुलर में कहा गया है कि निजी स्कूलों द्वारा एंट्री लेवल क्लास में हुए एडमिशन की जानकारी अपडेट नहीं की गई है। शिक्षा निदेशालय द्वारा एंट्री लेवल क्लास में कुल छात्रों की संख्या और ओपन सीट के तहत हुए जनरल कोटे के छात्रों के एडमिशन की संख्या मांगी गई है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में पूछा गया है कि स्कूल में

कितने छात्र हैं? शैक्षणिक सत्र 2019-20, 20-21, 21-22 में कितने छात्रों का एडमिशन हुआ है। यह जानकारी स्कूलों द्वारा अपडेट नहीं की गई है। शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला उप शिक्षा निदेशकों को आठ नवंबर तक जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा गया है। साथ ही दाखिले की जानकारी 10 नवंबर तक निदेशालय को देने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में जारी किए गए सर्कुलर में एक फॉर्मेट भी जारी किया है। स्कूलों को इसी फॉर्मेट में जानकारी देनी होगी। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में एंट्री लेवल क्लास में एडमिशन के लिए अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 में दाखिले की प्रक्रिया के लिए नोटिफिकेशन जारी करने से पहले निदेशालय इस साल हर तरह का आंकड़ा जुटाना चाहता है ताकि दाखिले के दौरान अभिभावकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। तमाम निजी स्कूलों को जानकारी देने के लिए खास फॉर्मेट भी दिया गया है।

आप सभी क्षेत्रवासियों को

दीपावली

भैया दूज

छठ पूजा

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

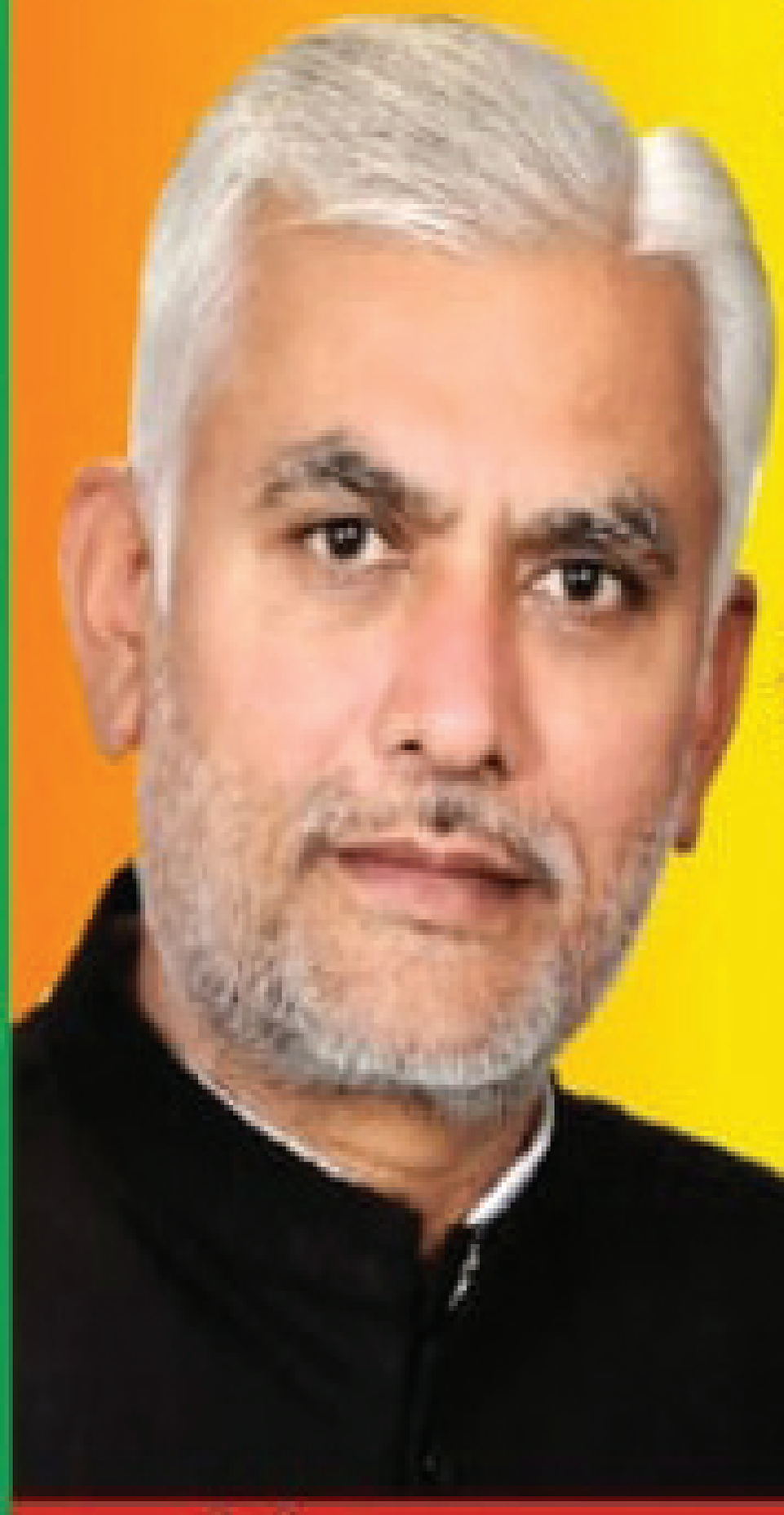

एडवोकेट

सत्यपाल मलिक

चेयरमैन, नजफगढ़ जोन

स्वामी.प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा व प्रबंधक वीरेंद्र कुमार सोनी ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कालोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी-1167 टोडरमल कालोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली-110043 से प्रकाशित
RNI NO .DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636/9205336006, **Email**: **nazafgarhmetronews@gmail.com**/समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे